सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 271 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 14 जुलाई 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

बीजापुर में नक्सलियों ने किया आईईडी ब्लास्ट, चपेट में आए ग्रामीण, चार घायल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने एक बार फिर से जवानों को नुकसान पहुंचाने की साजिश रची। नक्सलियों ने यहां आईईडी ब्लास्ट किया जिसकी चपेट में आने से चार ग्रामीण घायल हो गए हैं। घायल जवानों को इलाज के लिए बीजापुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार बीजापुर जिले के मद्देड़ थाना क्षेत्र के ग्राम धनगोल व बंदेपारा के जंगलों में नक्सलियों आईईडी बिछा रखा था। नक्सलियों की योजना थी कि जवानों को निशाना बनाया जाए। हालांकि आईईडी की चपेट में वहां के ग्रामीण आ गए। ब्लास्ट में चार ग्रामीण घायल हो गए है। सभी घायलों को बीजापुर लाया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है। इधर घटना के बाद सुरक्षाबल भी अलर्ट हो गए हैं।

सावन का पहला सोमवार: शिवालयों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, बेलपत्र-दूध और जल से किया रुद्राभिषेक

दुर्ग-भिलाई-राजधानी रायपुर सहित छत्तीसगढ़ के शिवमंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सावन माह का आरंभ होते ही छत्तीसगढ़ में शिव की भक्ति का माहौल बन गया है। सावन के पहले सोमवार को सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। भक्तों ने भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विशेष पूजा-अर्चना की और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना की। छत्तीसगढ़ में सावन महीने के पहले सोमवार को सुबह से ही शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। श्रद्धालुओं ने बेलपत्र, जल, दूध चढ़ाकर भगवान की पूजा-अर्चना की। राजधानी रायपुर, दुर्ग-भिलाई-बिलासपुर, रायगढ़ सहित प्रदेश के सभी जिलों में भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया गया।

बता दें कि सावन माह का पौराणिक महत्व है। यह महीना भगवान शिव को अत्यंत प्रिय माना गया है। समुद्र मंथन के दौरान निकले कालकूट विष को भगवान शिव ने इसी माह में अपने कंठ में धारण किया था, जिससे उनका गला नीला हो गया और वे नीलकंठ कहलाए। श्रद्धालु जलाभिषेक करके भगवान शिव के कंठ की शांति और कृपा की कामना करते हैं। सावन के पूरे माह शिवमंदिरों में जल चढ़ाया जाता है। वहीं सावन में सोमवार के दिन का विशेष महत्व बताया गया है। सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित है।

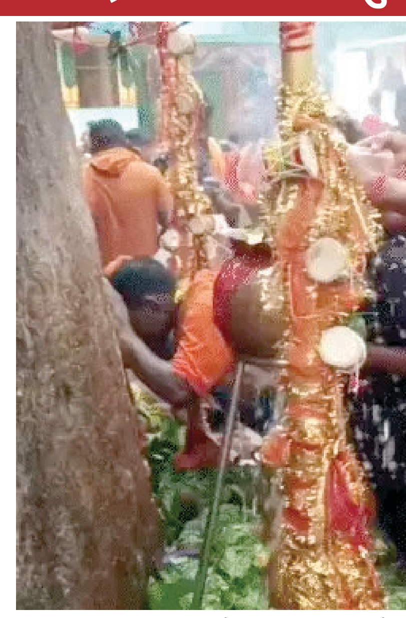

शिवनाथ से लेकर प्राचीन शिवमंदिर में लगी भक्तों की कतार

सावन के पहले सोमवार दुर्ग-भिलाई के शिवमंदिरों में भक्तिमय माहौल रहा। इस दौरान शिवनदी के तट पर स्थित शिवमंदिर से लेकर देवबलौदा चरोदा के प्राचीन शिवमंदिर तक भक्तों की कतार रही। भिलाई में बैकुंठधाम, जलकंटेश्वर महादेव मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ रही। शिवनाथ नदी से जल भरकर कावंडियों द्वारा मंदिरों में जल चढ़ाया गया।

राजिम में सुबह से भक्तों की उमड़ने लगी भीड़

गरियाबंद जिले के राजिम में विश्व प्रसिद्ध बाबा कुलेश्वर नाथ महादेव मंदिर में सावन माह के पहले सोमवार को सुबह 4 बजे से ही भक्तों का बड़ा सैलाब उमड़ा हुआ है। यह मंदिर त्रिवेणी संगम पैरी, सोंढ़ूर और महानदी में स्थित है।

मान्यता है कि वन वास काल के समय माता सीता ने अपने हाथों से शिवलिंग का निर्माण किया था। गरियाबंद जिले में स्थित स्वयंभू शिवलिंग भगवान भूतेश्वरनाथ के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भगवान भूतेश्वरनाथ की ऊंचाई हर वर्ष बढ़ती ही जा रही है, बताया जाता है इसकी ऊंचाई 80 फीट और गोलाई 210 फीट है, स्वयंभू शिवलिंग होने के चलते यहां लगातार श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती ही जा रही है।

तीन स्कूलों को बम से उड़ाने मिली धमकी से मचा हड़कंप, मौके पर पहुंची पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी स्कूलों को मेल से भेजी गई है। इनमें से एक चाणक्यपुरी और दूसरा द्वारका और तीसरा प्रशांत विहार का है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि तलाशी के दौरान अब तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। जांच की जा रही है।

दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सोमवार सुबह दिल्ली के तीन स्कूलों में बम की धमकी मिली, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने कहा कि सुबह करीब 8 बजे पुलिस को प्रशांत विहार और द्वारका सेक्टर 16 स्थित सीआरपीएफ स्कूलों के साथ-साथ चाणक्यपुरी स्थित एक अन्य स्कूल से बम की धमकी के बारे में कॉल आई। आगे कहा कि पुलिस दल तुरंत स्कूल परिसर की जांच के लिए पहुंची। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह ने कहा कि सोमवार सुबह द्वारका उत्तर थाने को एक पीसीआर कॉल मिली थी। जिसमें सीआरपीएफ स्कूल में बम की धमकी की सूचना दी गई थी। इलाके की तुरंत तलाशी ली गई। स्थानीय पुलिस, खोजी कुत्ते और बम निरोधक दस्ते स्कूल पहुंचे और जांच की। उन्होंने आगे कहा कि साइबर पुलिस विशेषज्ञ ईमेल के स्रोत का पता लगा रहे हैं। डीसीपी ने कहा कि स्कूल में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

40 स्कूलों को मिल चुकी है बम से उड़ाने की धमकी

बीते साल भी दिल्ली के 40 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। कई मामलों में दिल्ली पुलिस कार्रवाई भी कर चुकी है। लेकिन कई मामले पुलिस के लिए चुनौती भी बने।

मूर्ति से हार और दानपेटी से कैश चोरी

रायगढ़। जिले में श्री श्याम मंदिर में अज्ञात चोरों ने मुख्य द्वार का ताला तोड़कर बाबा श्याम की मूर्ति में लगे हार और 2 दानपेटी से नगदी लेकर फरार हो गए हैं। जिसकी कीमत लगभग 10 लाख रुपए से ज्यादा की बताई जा रही है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह पुजारी और श्रद्धालु पूजा अर्चना करने के लिए मंदिर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने देखा कि मेन गेट का ताला टूटा हुआ है। मंदिर के अंदर बाबा श्याम का हार समेत 2 दान पेटी गायब है। जिसके बाद मामले की सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई।

जगदलपुर में खड़े ट्रक से टकराई यात्री बस, चालक-हेल्पर की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। दुर्ग से जगदलपुर के लिए निकली मनीष ट्रेवल्स की बस सोमवार की सुबह हादसे का शिकार हो गई। बस्तर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह बस और खड़े ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हादसे के वक्त बस का चालक बुरी तरह से वाहन में ही फंस गया। हादसे में कई यात्री घायल हुए। हादसे की सूचना मिलते ही बस्तर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों का अस्पताल ले जाया गया। हादसे में बस चालक सतेंद्र सिंह (35) निवासी दुर्ग व हेल्पर पुष्पा (20) निवासी बीजापुर की मौत हो गई है।

मिली जानकारी के मुताबिक रायपुर से मनीष ट्रेवल्स की बस करीब 30 से अधिक यात्रियों को लेकर रात करीब 10 बजे रायपुर से जगदलपुर के लिए निकली। सोमवार की सुबह करीब चार बजे जैसे ही बस बस्तर जिले में पहुंची कि सड़क किनारे स्थित माजीसा पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। घटना के दौरान बस में सवार अधिकतर यात्री सो रहे थे।

अचानक से हुए इस हादसे में बस में सो रहे यात्रियों को भी बड़ा झटका लगा। वही ऐसा माना जा रहा है कि चालक को शायद नींद झपकी आने के कारण हादसा हुआ हो।

घटना की जानकारी लगते ही स्थानीय पुलिस के साथ ही बचाव टीम घायलों को निकालने में जुट गई। वहीं, बस चालक बुरी तरह से बस में फंसे होने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गया है। पुलिस ने बस चालक को निकालने के लिए कटर मशीन का भी उपयोग किया। कटर मशीन से बस के पार्ट को काटकर चालक को बाहर निकाला गया है। घायल बस चालक सतेंद्र सिंह व हेल्पर पुष्पा को अस्पताल ले जाया गया जहां दोनों की मौत हो गई है। हादसे में कई यात्री घायल बताए जा रहे हैं।

सुकमा-बीजापुर सहित 15 जिलों में गिरेगी बिजली जशपुर-सरगुजा जिले में तेज रफ्तार से चलेगी हवा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अगले पांच दिन बारिश की गतिविधियां कम रहेंगी। यानी इस दौरान तेज बारिश की संभावना नहीं है। स्थानीय प्रभाव से उत्तरी छत्तीसगढ़ के सरगुजा में कहीं-कहीं पर बारिश की स्थितियां बनेंगी। मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ के जिले सूखे रहेंगे।

मौसम विभाग के मुताबिक आज जशपुर, सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर में गरज चमक के साथ बिजली गिरने और मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान (30-40 किमी/प्रतिघंटे) से हवा चलेगी। इसके साथ सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, बस्तर समेत 15 जिलों में गरज चमक के साथ बिजली गिर सकती है। रविवार को रायपुर समेत कई जिलों में मौसम ड्राई रहा जिसके चलते गर्मी और उमस ने लोगों को परेशान किया।

मौसम विभाग के मुताबिक पूर्वी राजस्थान से लेकर उत्तर-पश्चिम बंगाल और ओडिशा के ऊपर साइक्लोन सर्कुलेशन बना है। इस सिस्टम के असर से उत्तरी छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग में बारिश की गतिविधियां रहेंगी। कहीं-कहीं पर हल्की से मध्यम बारिश होगी। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 5 दिन ऐसी ही स्थिति देखने को मिलेगी। कहीं-कहीं हल्की बारिश भी हो सकती है।

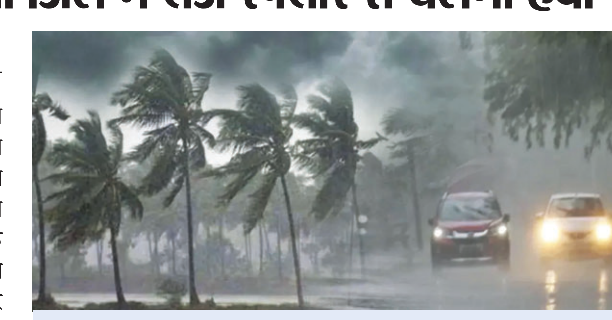

अब तक प्रदेश में 373.6 मिमी बारिश

जुलाई का पहला पखवाड़ा बारिश के लिहाज से काफी अच्छा रहा। अब तक प्रदेश में 373.6 मिमी बारिश हो गई है। ओवरआल बात करें तो छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 373.6 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 567.4 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 181.7 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

प्रदेश में औसत से ज्यादा बारिश

बेमेतरा और सुकमा को छोड़कर प्रदेश के सभी जिलों में औसत से ज्यादा बारिश हो चुकी है। पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 34.2 डिग्री दुर्ग में और सबसे कम न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री पेन्ड्रा रोड में रिकॉर्ड किया गया। वहीं खरोरा में 30 मिलीमीटर, सक्ती, सुकमा, तिल्दा में 20 मिमी और धरसींवा और बोड़ला में 10 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है।

क्या ब्रेकअप बन रहा है नया ट्रेंड

श्रीकंचनपथ

बॉलीवुड और क्रिकेट को इस देश का ट्रेंड-सेटर माना जाता है। यहां होने वाली चीजें देर-सबेर समाज में भी दिखाई पड़ने लगती हैं। स्टार अविवाहित रहने का फैसला करते हैं तो उन्हें फालोअर्स मिल जाते हैं। विजातीय विवाह का चलन भी सेलेब्रिटी लाइफ से ही आया। लोगों को हिम्मत मिली। लिव इन रिलेशनशिप के बीज भी यहीं पड़े। बिन ब्याहे मां बनने का चलन भी यहीं शुरू हुआ। पर अब यह बॉलीवुड और क्रिकेट की दुनिया तक सीमित नहीं रहा। इंटरनेट और हर हाथ में स्मार्टफोन दुनिया को मुट्ठी में ला चुके हैं। अब लोग अपने प्रेरणास्रोत पूरी दुनिया में कहीं से भी खोजकर निकाल सकते हैं। इसी दौर का एक और तोहफा है ब्रेकअप। अब दो वयस्कों को यदि लगता है कि साथ-साथ रहने से उनके करियर नष्ट हो रहे हैं या उनका ग्रोथ रुक रहा है तो वो आपस में मिल बैठकर अलग होने का फैसला ले लेते हैं। मशहूर टेनिस स्टार और ओलम्पिक मेडलिस्ट साइना नेहवाल ने तलाक की घोषणा कर सबका ध्यान आकर्षित किया है। साइना ने 2018 में पारुपल्ली कश्यप से विवाह किया था। 7 साल बाद उन्हें लगा कि उनका करियर उन्हें अलग-अलग दिशाओं में लेकर जा रहा है। इसलिए रिश्तों को तनाव से बचाने के लिए दोनों ने ऑफिशियली अलग होने का फैसला कर लिया। ये कोई पहला सेलेब्रिटी जोड़ा नहीं है जिसने ऐसा किया। पिछले एक साल में युजवेन्द्र चहल, हार्दिक पंड्या, सानिया मिर्जा जैसे चोटी के खिलाड़ी तलाक ले चुके हैं। बॉलीवुड में तो यह बेहद आम है। हर दिल अजीज ही-मैन धर्मेन्द्र ने 1980 में पत्नी के रहते हेमामालिनी से ब्याह रचाकर सबको चौंका दिया था। पर वहां कोई प्रत्यक्ष ट्रैजेडी नहीं हुई। लोगों ने भी इसे स्वाभाविक ढंग से लिया। किशोर कुमार तो अपनी शादियों के लिए भी चर्चित रहे। इन घटनाओं ने समाज में शादी और तलाक की स्वीकार्यता को बढ़ावा दिया। पुनर्विवाह का रास्ता भी साफ हुआ। समाज के एक बड़े हिस्से को हालांकि तकलीफ होती रही। भारतीय मान्यता विवाह को जन्म जन्मांतर का संबंध मानती रही है। शादी एक बार हो गई तो हो गई। अकसर प्रेम की बलि चढ़ जाती थी। अपने प्रियतम के बेहतर भविष्य के लिए प्रेम पीछे हट जाता था। वह समय था जब प्रेम कुर्बानी मांगता था पर अब ऐसी बात नहीं है। अब प्रेम स्पेस देना जानता है। यदि प्रेम में पर्याप्त स्पेस हो तभी वह दीर्घस्थायी हो सकता है। पर एकल परिवारों में अगर कुछ तेजी से सिकुड़ा है तो वह स्पेस है। छोटे से परिवार में परस्पर निर्भरता और भी ज्यादा होती है। वैसे भी 90 फीसद भारतीय रिश्ते इसी निर्भरता की जमीन पर टिके हुए हैं। पर अब स्थिति बदल रही है। बेशक, कुछ लोग लोकलाज के भय से परिवार नहीं तोड़ते बल्कि घर के भीतर एक महाभारत जीवन भर चलाते रहते हैं। यह अच्छा है या बुरा, इसका फैसला करने का अधिकार किसे है?

संपादकीय

बिजली तो महंगी होती जाती है

बिजली अन्य जरूरी सुविधाओं की तरह जरूरी है, इसके बिना लोगों का काम नहीं चलता है। लोग चाहते हैं कि कम से कम यह तो महंगी नहीं होनी चाहिए, लेकिन लोगों के चाहने से क्या होता है, बिजली विभाग को लोगों की चिंता नहीं रहती है वह क्या चाहते हैं, बिजली बिल बढ़ने से उनको क्या परेशानी होती है। बिजली विभाग को अपनी चिंता रहती है कि उसे जो घाटा हो रहा है, उसकी पूर्ति कैसे की जाए। सबसे आसान तरीका यही होता है कि जनता की जेब से ही निकाल लिया जाए। बिजली विभाग चाहे तो जिन कारणों से उसे घाटा होता है, घाटा कम करने का प्रयास कर सकता है लेकिन बिजली विभाग ने ऐसा कभी नहीं किया है। उसकी लापरवाही, कुप्रबंधन,सरकार व सरकारी विभागों से पैसा न मिलना, बिजली उत्पादन से लेकर वितरण तक कई कारणों से उसे घाटा होता है, सरकार की योजनाओं के कारण घाटा होता है, वह और सरकार चाहें तो घाटा समाप्त न कर सकें लेकिन उसे कम तो कर सकते हैं, ऐसा कभी सुनने या पढ़ने में नहीं आता है कि बिजली विभाग व सरकार ने बिजली का घाटा कम करने को कोई गंभीर प्रयास किया है जिसके कारण राज्य में बिजली उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली मिली हो।

> ***लोग तो चाहते हैं बिजली सस्ती न दे सरकार लेकिन बिजली दर बढ़ाए तो नहीं, बिजली दर को स्थिर रखें। राज्य विद्युत नियामक आयोग ने पिछले पांच साल में सीएसपीडीसीएल की अनुशंसा पर बिजली दरों में औसत एक रुपए की बढ़ोतरी की है यानी सौ पैसे की बढ़ोतरी की है। 11 जुलाई को फिर एक बार बिजली दर बढ़ाई गई है। बताया गया है कि इस बार औसत 1.89 प्रतिशत बिजली दर बढ़ाई गई है। इससे 65 लाख घरेलू, 5 लाख कमर्शियल और कृषि क्षेत्र के 6 लाख उपभोक्ता प्रभावित होंगे। बिजली विभाग का कहना है कि उसे विद्युत की लागत एक यूनिट 7.20 पैसे पड़ती है, उसे घरेलू उपभोक्ताओं, पोहा मुरमुरा वालों को, अग्रिम भुगतान करने वालों को सस्ती बिजली देनी पड़ती है। इसके अलावा कई योजनाओं में सस्ती या मुफ्त बिजली देनी पड़ती है, जिसका पैसा सरकार देती है।***

आंकड़ों के मुताबिक राज्य में 2003 में रमन सिंह सरकार के समय बिजली की दर 3.30 पैसे थी, रमन सिंह के कार्यकाल में इसे बढ़ाकर 6.40 पैसे कर दिया गया था। वर्तमान में यह 7.20 पैसे हैं। पिछले पांच साल में बिजली दर में बढ़ोतरी देखी जाए तो 21–22 में 6.19 फीसदी, 22–23 में 2.31 फीसदी, 23–24 में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई, इसके बाद 24–25में 8.35 फीसदी, 25–26 में 1.89 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। राज्य के सीएम साय का कहना है कि बिजली दर बढ़ोतरी का गरीबों व किसानों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उनका कहना है कि उनकी सरकार आने के बाद पहली बार बिजली की दरों में बढ़ोतरी हुई है जबकि कांग्रेस सरकार के समय 22–23 में 2.50 प्रतिशत, 24–25 में 4.88 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। उनका कहना है कि इस तरह देखा जाए तो कांग्रेस के समय 7.38 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने कहा है कि 18 माह की भाजपा सरकार में बिजली बिल में तीसरी बार बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी आम जनता पर अतिरिक्त बोझ डालने वाली है। उनका कहना है कि आज बिजली उत्पादन वाली किसी वस्तु की दर में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है, फिर बिजली की दर में बढ़ोतरी क्यों की गई है।

उनका कहना है कि बिजली दर में बढ़ोतरी का कारण प्रदेश सरकार पर राज्य पावर कंपनी का बिजली बिल बकाया दस हजार करोड़ हो गया है, शासन द्वारा कई योजनाओं से विभाग को दी जाने वाली सब्सिडी का भुगतान सरकार बिजली विभाग को नहीं कर रही है। शासन के 23 विभागों का लगभग 2300 करोड़ रुपए बिजली बिल बकाया है। कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज का कहना हैकि डेढ़ साल में चौथी बार बिजली दल में बढ़ोतरी की गई है, यह जनता के साथ धोखा है। कांग्रेस इसका विरोध करती है और आने वाले दिनों में इसके विरोध में प्रदर्शन करेगी। यह अच्छी बात है कि साय सरकार ने कांग्रेस के समय से चली आ रही चार सौ यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना को बंद नहीं किया है नहीं तो लोगों को और ज्यादा बिजली बिल देना पड़ता है।

राजस्थान के भरतपुर जिले में पुरातत्व सर्वेक्षण में मिले सरस्वती नदी के प्रमाण

सरस्वती: भूगर्भ में अंगड़ाई लेती नदी के नए प्रमाण

राजस्थान के डीग जिले के बहज गांव में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा जारी उत्खनन में 5500 से भी ज्यादा साल पुरानी प्राचीन भारतीय सभ्यता के अनेक अवशेश मिले हैं। इनमें सबसे प्रमुख ऋग्वेद में वर्णित सबसे प्रसिद्ध सरस्वती नदी प्रणाली के ठोस प्रमाण एक बार फिर मिले हैं। इस खुदाई में ब्राह्मी लिपि की मोहरों, मूर्तियों, हड्डी के औजार, शंख, मोती, चूड़ियां और सिक्कों के साथ मिट्टी के खंभों से बने भवन, ईटों की परतदार दीवारों वाली खंदकें, भट्यिं एवं यज्ञवेदियां भी मिले हैं। इन साक्ष्यों से प्रमाणित होता है कि उस समय के लोग वास्तुकला के साथ धातु विज्ञान और हथियार बनाने में दक्ष थे।

ऋग्वेद में वर्णित सिंधु–सारस्वत सभ्यता में इन सब वस्तुओं और सरस्वती नदी से जुड़े अनेक मंत्र मिलते हैं। इन्हीं मंत्रों से प्राचीन आर्यावर्त का भूगोल, समाज, जीवनशैली और आर्य व अनार्यों के संघर्श से जुड़ी अनेक गाथाओं का जीवंत चित्रण है। इन अवशेशों और नदी–तंत्र को 3500 ईसा पूर्व से 1000 ईसापूर्व तक की सभ्यता के प्रमाण माना जा रहा है।

वैदिक कालीन नदी सरस्वती के अस्तित्व और उसकी भूगर्भ में अंगड़ाई ले रही जलधारा को लेकर भूगर्भशास्त्री, पुरातत्ववेत्ता और इतिहासकारों में लंबे समय से मतभेद बना रहा है। यह मतभेद सैटेलाइट मैंपिग के बावजूद कायम रहा। यहां तक कि 6 दिसंबर 2004 को भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री ने संसद में भी यह घोषणा कर दी थी कि इस नदी का कोई मूर्त प्रमाण नहीं है। यह मिथकीय है। दरअसल ये विरोधाभास किसी शोध के निष्कर्ष से कहीं ज्यादा वामपंथी सोच को पुख्ता करने के नजरिए से सामने आते रहे हैं,जिससे भारत की प्राचीन ज्ञान–परंपरा को नकारा जा सके। किंतु अब न केवल हरियाणा के यमुनानगर जिले के आदिबद्री में सरस्वती का उद्गम स्थल खोज लिया गया है, बल्कि मुगलवाली गांव में धरातल से सात फीट नीचे तक खुदाई करके नदी की जलधारा भी खोज निकाली है। इस धारा का रेखामय प्रवाह तीन किमी की लंबाई में नदी के रूप में सामने आया था। एक मृत पड़ी नदी के इस पुनर्जीवन से उन सब अटकलों पर विराम लगा है, जो वेद–पुरणों में वर्णित इस नदी को या तो मिथकीय ठहराते थे या इसका अस्तित्व अफ्गानिस्तान की 'हेलमंद' नदी के रूप में मानते थे।

सरस्वती की भौगोलिक स्थिति का बखान ऋग्वेद, शतपथ ब्राह्मण महाभारत, ऐतरेय ब्राह्मण, भागवत और विष्णु पुराणों में है। ऋग्वेद में सप्तसिंधु क्षेत्र की महिमा को प्रस्तुत करते हुए जिन सात नदियों का वर्णन किया गया है, उनमें से एक सरस्वती है। अन्य छह शतद्रु; सतलुज, विपासा; व्यास, असिकिनी; चिनाव, पुरुष्णी; रावी वितस्ता; झेलम और सिंधु नदियां हैं। इनमें सरस्वती और सिंधु बड़ी नदियां थीं। सतलुज और यमुना सरस्वती की सहायक नदियां रही हैं। सरस्वती का प्रवाह पूरब से पश्चिम की ओर था, लेकिन हजारों साल पहले आए भयंकर भूकंप के कारण यमुना और सतुलज सरस्वती से अलग हो गईं। इन दोनों नदियों के मार्ग बदलने के बाद सरस्वती धीरे–धीरे अस्तित्व खोती हुई भूगर्भ में विलीन हो गई। कुछ भूगर्भशास्त्रियों का ऐसा मानना है कि 12 हजार साल पहले तक नदी स्वच्छ जलधारा के रूप में प्रवाहमान थी। लेकिन ऋग्वेद और अन्य प्राचीन ग्रंथों में सरस्वती की महिमा का गुणगान है, उससे लगता है पांच से सात हजार साल पहले तक यह नदी धरा पर बहती थी। क्योंकि नदी के धरती की कोख में समा जाने का वर्णन ऋग्वेद में नहीं है। जबकि ऋग्वेद की 60 ऋचाओं में सरस्वती का उल्लेख है। इनमें कहा गया है, सरस्वती हिमालयी पर्वतों से निकलकर, सप्तसिंधु क्षेत्र में बहती हुई कच्छ के रण में जाकर समुद्र में गिरती है। यह क्षेत्र वर्तमान में पाकिस्तान और भारत के पंजाब व हरियाणा में है।

किंतु सरस्वती का जो वर्णन महाभारत में है, उसमें इस नदी के विलोप होने के संकेत मिलते हैं। महाभारत के अनुसार सरस्वती समुद्र में समाने से पहले राजस्थान के रेगिस्तान विनसन में ही लुप्त हो जाती है। विष्णु पुराण में नदी के सिमटने के संकेत कवश नाम के एक मल्लाह द्वारा सरस्वती की वंदना करने की कथा के रूप में मिलते हैं। इस कथा के अनुसार पृथु द्वारा कराए जा रहे यज्ञ में जब कवश ने हिस्सा लेने की कोशिश की तो ऋषियों ने उसे बाहर कर दिया। निराश कवश ने मरुस्थल में जाकर सरस्वती की स्तुति की। फलत: सरस्वती की जलधार उसके चारों और फूट पड़ी। इस चमत्कार से प्रभावित होकर ऋषियों ने कवश को यज्ञ में भागीदारी करने की अनुमति दे दी। यही कथा ऐतरेय ब्रह्मण और भागवत पुराण में भी कही गई है।

कॉर्बन डेटिंग भी इस तथ्य की पुष्टि करती है कि 2000 से 1800 वर्ष ईसा पूर्व यह नदी विलुप्त हुई। महाभारत,विष्णु पुराण, भागवत पुराण और ऐतरेय ब्राह्मण ग्रंथों की रचना लगभग इसी समय हुई बताई जाती है। साफहै, प्राचीन संस्कृत ग्रंथों में सरस्वती का जो वर्णन है, वह कपोल कल्पित न होते हुए,वास्तविक है। नदी के सूखने के बाद हड़प्पा–मोहनजोदड़ो संस्कृति के उपासक गंगा यमुना के मैदानों की और पलायन कर गए। चूंकि इन लोगों की स्मृति में सरस्वती जीवंत थी, इसलिए इन्होंने प्रयाग में त्रिवेणी स्थल पर गंगा और यमुना के साथ सरस्वती के अंतसलिला होने की कथा गढ़ ली। सिंधु घाटी सभ्यता का नाम, हालांकि सिंधु नदी के नाम पर पड़ा था। इसे ही सरस्वती संस्कृति, सरस्वती सभ्यता और सिंधु सरस्वती सभ्यता के नामों से जाना जाता है। इसी सभ्यता में हड़प्पा संस्कृति फली–फूली थी। ऋग्वेद में हड़प्पा दुर्ग की गाथा हरियूपिया नाम से मंत्रों में कही गई है।

प्राचीन ग्रंथों में दर्ज सरस्वती के अस्तित्व को लेकर देशी–विदेशी भूविज्ञानी और भारतीय संस्कृति के अध्येता इसकी षोध और जमीनी खोज में जुटे रहे हैं। फ्रांस के भूविज्ञानी विवियेन सेंट मार्टिन ने 'वैदिक भूगोल' की रचना की थी। 1860 में लिखी इस पुस्तक में सरस्वती के साथ घग्गर और हाकड़ा की भी पहचान की थी। इसके बाद 1886 में अंगेजी हुकूमत ने भारत का भौगोलिक सर्वेक्षण कराया था। इसके अधीक्षक आरडी ओल्ढ़म की रिपोर्ट बगांल के एशियाटिक सोसायटी जर्नल में छपी थी। इस रिपोर्ट में सरस्वती के नदी तल और इसकी सहायक नदियों, सतुलज व यमुना के पथ रेखांकित किए गए है। 1893 में इस रिपोर्ट ने प्रसिद्ध भूवैज्ञानिक सीएफ ओल्ढ़म को प्रभावित किया। ओल्ढ़म ने इसी जर्नल में सरस्वती के भूगर्भ में उपस्थित होने की पुश्टि की है। साथ ही घग्धर और हाकड़ा के सूखे पथों का भी ब्यौरा दिया है। ये नदियां पंजाब में बहती थीं। पंजाब की लोकश्रुतियों में आज भी ये नदियां विद्यमान हैं। इन्हीं नदियों के पथ पर एक समय सरस्वती बहती थी। इसके बाद 1918 में टैसीटोरी,1940–41 में औरेल स्टाइन और 1951–53 में अमलानंद घोष ने सरस्वती की खोज में अहम भूमिका निभाई। इन सब विद्वानों ने अपने निष्कर्षों में सिद्ध किया कि सरस्वती के विलोपन का मुख्य कारण सतलुज और यमुना की धार बदलना था। सतलुज की धार सरस्वती से अलग होकर सिंधु में जा मिली। लगभग इसी समय यमुना ने भी अपनी धारा का प्रवाह बदल दिया और वह पश्चिम अपने बहने का रुख बदलकर पूर्व में बहकर गंगा में जा मिली। नतीजतन सरस्वती सूखती चली गई।

बाद में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने इस विलुप्त नदी को खोजने की पहल की। 15 जून 2002 को केंद्रीय संस्कृति मंत्री जगमोहन ने सरस्वती के नदीतलों का पता लगाने के लिए खुदाई की घोषणा की। इस खोज को संपूर्ण वैज्ञानिक धरातल देने की दृष्टि से इसमें इसरो के वैज्ञानिक बलदेव साहनी,पुरातत्वविद् एस कल्याण रमन हिमशिला विशेषज्ञ वाईके पुरी और जल सलाहकार माधव चितले को शामिल किया गया। हरियाणा में आदिबद्री से लेकर भगवान पुरा तक पहले चरण में और भगवान पुरा से लेकर राजस्थान सीमा पर स्थित कालीबंगा की खुदाई प्रस्तावित थी। यह खोज कोई ठोस परिणाम दे पाती इससे पहले राजग सरकार गिर गई और डॉ मनमोहन के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार ने 6 दिसंबर 2004 को संसद में यह बयान देकर कि इस नदी का कोई मूर्त रूप नहीं है, इसे मिथकीय नदी ठहरा दिया। नतीजतन वाजपेयी सरकार की पहल अधूरी रह गई।

लेकिन राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ के दर्शन लाल जैन 'सरस्वती शोध संस्थान' की अगुवाई में नदी की खोज की सार्थक पहल करते रहे। उन्होंने अपनी खोज के दो प्रमुख आधार बनाए। एक विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में प्राचीन इतिहास विभाग के प्राध्यापक रहे डॉ विष्णु श्रीधर वाकणकर की सरस्वती खोज पदयात्रा और दूसरा 2006 में आए तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग के सर्वे खुदाई को। वाकणकर की यात्रा आदि बद्री से शुरू होकर गुजरात के कच्छ के रण पर जाकर समाप्त हुई। ओएनजीसी ने डॉ. एमआर राव के नेतृत्व में सरस्वती के पथ व नदीतलों के पहले तो उपग्रह–मानचित्र तैयार किए, फिर धरातलीय साक्ष्य जुटाए। हिमाचल प्रदेश में सिरमौर जिले के काला अंब के पास सरस्वती टियर फाल्ट का गंभीर अध्ययन किया। अध्ययन के परिणाम में पाया कि हजारों साल पहले आए भूकंप के कारण यमुना और सतलुज ने अपने मार्ग बदल दिए थे। यमुना पूरब में बहती हुई दिल्ली पहुंच गई और सतलुज पश्चिम होते हुए सिंधु नदी में जा मिली। जबकि पहले इन दोनों नदियों का पानी सरस्वती में मिलकर हरियाणा, राजस्थान व गुजरात होते हुए कच्छ में मिलता था।

अवशेशीय अध्ययन के बाद ओएनजीसी ने राजस्थान के जैसलमेर से सात किलोमीटर दूर जमीन में करीब 550 मीटर तक गहरा छेद किया। यहां 7600 लीटर प्रति घंटे की दर से स्वच्छ जल निकला। इस प्रमाण के बाद ओएनजीसी ने भारत विभाजन के बाद भारतीय पुरातत्व संस्थान द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण का भी अध्ययन किया। इससे पता चला कि हरियाणा व राजस्थान में करीब 200 स्थलों पर सरस्वती के पानी के निशान हैं। डीग में एक बार फिर सरस्वती के नए प्रमाण मिलने से इसके ऋग्वैदिक अस्तित्व को प्रामाणिकता मिली है।

दावों के बावजूद हर साल जलभराव

पंकज चतुर्वेदी

बीते डेढ़ महीने में राजधानी दिल्ली पर कुल चार बार ठीकठाक बादल बरसे और बमुश्किल एक घंटे की बरसात में ही दिल्ली ठिठक गई। तीन दशकों से लाख दावों के बावजूद हर साल जलभराव वाले स्थानों की संख्या बढ़ रही है। 2023 में जहां जलभराव के 308 बिंदु चिन्हित किए गए थे, वहीं 2025 में इनकी संख्या बढ़ कर 410 हो गई है।

अब तो डूबने का दायरा वीआईपी कहलाने वाली लुटियन दिल्ली तक आ गया है। पानी भरते ही दो बातें सामने आती हैं। एक तो इस महीने या फिर इतने कम समय में इतना अधिक पानी कितने साल बाद बरसा। दूसरा, नायलॉन की सफाई और सीवर तंत्र का पुराना होना। समझना होगा कि दिल्ली बसी ही इसलिए थी कि यहां से यमुना बह रही थी। दिल्ली का जलभराव हो या फिर प्यास, उसका एकमात्र इलाज यमुना ही है। दिल्ली में जलभराव का कारण यमुना का गाद और कचरे के कारण इतना उथला हो जाना है कि महज एक लाख क्यूसेक पानी आ जाए तो इसमें बाढ़ आ जाती है। नदी की जल ग्रहण क्षमता को कम करने में बड़ी मात्रा में जमा गाद (सिल्ट), रेत, सीवरेज, पूजा–पाठ सामग्री, मलबा और तमाम तरह के कचरे का योगदान है। नदी की गहराई कम हुई तो इसमें पानी भी कम आता है। आजादी के 77 साल में कभी भी नदी की गाद साफ करने का कोई प्रयास हुआ ही नहीं, जबकि नदी में कई निर्माण परियोजनाओं के मलबे को डालने से रोकने में एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) के आदेश नाकाम रहे हैं।

1994 से लेकर अब तक यमुना एक्शन प्लान के तीन चरण आ चुके हैं, हजारों करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं पर यमुना में गिरने वाले दिल्ली के 21 नालों की गाद भी अभी तक नहीं रोकी जा सकी। जब महानगर के बड़े नाले गाद से बजबजाते हैं, तो जलभराव की चोट दोधारी होती है। जब नाले का पानी नदी की तरफ लपकता है, और उथली नदी में पहले से ही नाले के मुंह तक पानी भरा होता है। ऐसे में नदी के प्रवाह से उपजे प्रतिगामी बल से नाले फिर पलट कर सड़कों को दरिया बना देते हैं। कभी यमुना का बहाव और हाथी डुब्बा गहराई आज के मयूर विहार, गांधी नगर, ओखला, अक्षरधाम तक हुआ करता था।

एक तरफ ढेर सारी वैध–अवैध कालोनियों और सरकारी भवनों के कारण नदी की चौड़ाई कम हुई तो दूसरी तरफ गहराई में गाद भर दी। इस तरह जीवनदायी बरसात के जल को समेटने वाली जल धार को कूड़ा ढोने की धार बना दिया गया। वहीं शहर के छह सौ से अधिक तालाब–झीलों तक बरसात का पानी आने के रास्ते रोक दिए गए। दुर्भाग्य है कि कोई भी सरकार दिल्ली में आबादी को बढ़ने से रोकने पर काम कर नहीं रही। इसका खमियाजा भी यमुना को उठाना पड़ रहा है, हालांकि इसकी मार भी उसी आबादी को पड़ रही है। सभी जानते हैं कि दिल्ली जैसे विशाल आबादी वाले इलाके में हर घर पानी और मुफ्त पानी बड़ा चुनावी मुद्दा है, और जब नदी–नहर पानी की कमी पूरी कर नहीं पाते तो जमीन में छेद कर पानी उलिछा जाता है, यह जाने बगैर कि इस तरह भूजल स्तर से बेपरवाही का असर यमुना के जल स्तर पर ही पड़ रहा है।

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट के एक शोध के मुताबिक, यमुना के बाढ़ क्षेत्र में 600 से अधिक आर्दभूमि और जल निकाय थे, लेकिन उनमें से 60त्न से अधिक अब सूखे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, 'यमुना बाढ़ क्षेत्र में यमुना से जुड़ी कई जल–तिजोरियों का संपर्क तटबंधों के कारण नदी से टूट गया।' समझना होगा कि अरावली से चल कर नजफगढ़ झील में मिलने वाली साहबी नदी और इस झील को यमुना से जोड़ने वाली नैसर्गिक नहर का नाला बनना हो या फिर सराय कालेखां के पास बारापुला या फिर साकेत में खिड़की गांव का सतपुला या फिर लोधी गार्डन की नहरें, असल में ये सभी यमुना में जब कभी क्षमता से अधिक पानी आ जाता था तो उसे जोहड़–तालाब में सहेजने का जरिया थीं। एनजीटी में इन सभी जल मागरे को बचाने के मुकदमे चल रहे हैं लेकिन इन पर अतिक्रमण अनवरत जारी है। सो, न अब बरसात का पानी तालाब में जाता है, और न ही बरसात के दिनों में सड़कों पर जलजमाव रुक पाता है।

वैसे, एनजीटी 2015 में ही दिल्ली के यमुना तटों पर निर्माण पर पाबंदी लगा चुका है लेकिन इससे बेपरवाह सरकारें मान नहीं रहीं। अभी एक साल के भीतर ही लाख आपत्तियों के बावजूद सराय कालेखां के पास 'बांस घर' के नाम से केफेटेरिया और अन्य निर्माण हो गए। जान लें कि यदि दिल्ली को जलभराव से नहीं जूझना है तो यमुना अविरल बहे, उसकी गहराई और पाट बचे रहें, यही अनिवार्य है। यह बात कोई जटिल रॉकेट साइंस नहीं है। लेकिन बड़े ठेके, बड़े दावे, नदी से निकली जमीन पर और अधिक कब्जे का लोभ यमुना को जीवित रहने नहीं दे रहा। तैयार रहिए, भले ही अदालत डांटती रहे–अपनी संपदा यमुना को चोट पहुंचाने के चलते सावन–भादों में तो हर फुहार के साथ दिल्ली डूबेगी ही!

पूरी दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ रही है मुस्लिम आबादी

नीरज कुमार दुबे

अक्सर कहा जाता है कि भारत में मुस्लिमों की जनसंख्या में तेज वृद्धि हो रही है लेकिन अब जो आंकड़े सामने आये हैं वह दर्शा रहे हैं कि पूरी दुनिया में मुस्लिम आबादी में सबसे तेज वृद्धि हो रही है। आंकड़े यह भी बता रहे हैं कि अगर यही रुझान जारी रहे तो 2050 तक मुस्लिम और ईसाई आबादी लगभग बराबर हो सकती है और 2070 के बाद मुस्लिम जनसंख्या ईसाइयों से आगे निकल सकती है। यह परिवर्तन न केवल सांख्यिकीय रूप से बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक दृष्टि से भी पूरे विश्व को प्रभावित करेगा।

हम आपको बता दें कि प्यू रिसर्च सेंटर की एक विश्लेषणात्मक रिपोर्ट "How the Global Religious Landscape Changed From 2010 to 2020" ने वैश्विक धार्मिक जनसांख्यिकी में हो रहे व्यापक परिवर्तनों की तस्वीर सामने रखी है। इस रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला धार्मिक समुदाय मुस्लिम समुदाय है। रिपोर्ट के मुताबिक 2010 से 2020 के बीच मुस्लिमों की संख्या में हुई वृद्धि ने अन्य सभी धर्मों को पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट कहती है कि 2010 से 2020 के बीच मुस्लिमों की संख्या 347 मिलियन (34.7 करोड़) बढ़ी, जोकि अन्य सभी धर्मों की सम्मिलित वृद्धि से भी अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक मुस्लिम जनसंख्या का प्रतिशत 23.9% से बढ़कर 25.6% हो गया। यह वृद्धि मुख्य रूप से युवा आबादी और उच्च प्रजनन दर के कारण हुई। रिपोर्ट कहती है कि 2010 में ईसाई वैश्विक आबादी का 30.6% थे, जो 2020 में घटकर 28.8% रह गए। इस गिरावट का मुख्य कारण था धार्मिक त्याग, जिसमें खासतौर पर लोग पश्चिमी देशों में ईसाई धर्म को छोड़ रहे हैं।

वहीं रिपोर्ट कहती है कि वैश्विक हिंदू आबादी लगभग 1.2 अरब हो गई है (2010 में 1.1 अरब थी), यानी 12% की वृद्धि हुई है। हालांकि हिंदुओं का वैश्विक प्रतिशत 15% से मामूली घटकर 14.9% हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, हिंदुओं की प्रजनन दर वैश्विक औसत के अनुरूप है और धर्मांतरण की दर भी बहुत कम है। रिपोर्ट के मुताबिक 2020 तक दुनिया के 95% हिंदू भारत में रहते हैं। इसके अलावा, 'नो–रिलिजन' वर्ग में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। धार्मिक रूप से असंलग्न लोगों की संख्या 270 मिलियन बढ़कर 1.9 अरब हो गई है और इनका वैश्विक हिस्सा 23.3% से बढ़कर 24.2% हो गया है। वहीं प्रमुख धर्मों में केवल बौद्ध धर्म की आबादी 2010 की तुलना में 2020 में कम रही। 2010 में बौद्ध वैश्विक जनसंख्या का 4.9% थे, पर 2020 में यह घट गया। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में हिंदुओं की आबादी 2010 के 80% से घटकर 2020 में 79% हो गई है। वहीं भारत में मुस्लिम आबादी 2010 के 14.3% से बढ़कर 2020 में 15.2% हो गई है। यह वृद्धि भी मुख्य रूप से प्रजनन दर और युवा जनसंख्या के कारण है, न कि धर्मांतरण से। हालांकि भारत में मुस्लिमों की यह वृद्धि अन्य दक्षिण एशियाई देशों जैसे पाकिस्तान या बांग्लादेश की तुलना में धीमी है, पर फिर भी यह एक महत्वपूर्ण सांख्यिकीय परिवर्तन है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2010 में दुनिया की कुल मुस्लिम आबादी में से 35% मुसलमान 15 वर्ष से कम आयु के थे। उल्लेखनीय है कि इतनी युवा जनसंख्या होने के कारण जन्म दर अधिक बनी रहती है, जिससे आबादी तेजी से बढ़ती है। साथ ही मुस्लिम महिलाओं की औसत प्रजनन दर अन्य धार्मिक समुदायों की तुलना में अधिक है। इससे मुस्लिम जनसंख्या की प्राकृतिक विकास दर भी अधिक होती है। साथ ही, रिपोर्ट कहती है कि मुस्लिमों में धर्म छोड़ने वालों की संख्या और अन्य धर्मों से इस्लाम अपनाने वालों की संख्या लगभग बराबर है। यानी धार्मिक स्विचिंग का असर नगण्य है, जिससे शुद्ध जनसंख्या वृद्धि केवल जन्म के कारण होती है। इसके अलावा, रिपोर्ट के मुताबिक केवल 1% वयस्क ही अपने जन्मजात धर्म से अलग होकर अन्य धर्म अपनाते हैं, विशेष रूप से हिंदू और मुसलमान, इन दोनों समुदायों में धर्म–परिवर्तन की दर अत्यंत कम है।

बहरहाल, Pew Research की यह रिपोर्ट दर्शाती है कि आने वाले दशकों में विश्व की धार्मिक जनसंख्या संरचना में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं क्योंकि मुस्लिम आबादी में तेज़ वृद्धि जारी रहने की संभावना है। इसके अलावा, ईसाई समुदाय के समक्ष चुनौतियाँ बढ़ेंगी, खासकर यूरोप और अमेरिका में। रिपोर्ट के मुताबिक हिंदू समुदाय वैश्विक रूप से स्थिर रहेगा, परंतु भारत के भीतर उसके अनुपात में धीरे–धीरे गिरावट संभव है। इसमें कोई दो राय नहीं कि यह रिपोर्ट न केवल जनसांख्यिकी विश्लेषण, बल्कि नीति–निर्धारण, शिक्षा, सांस्कृतिक संरक्षण और धार्मिक सहिष्णुता के दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

डायन-टोनही प्रताड़ना की घटनाएं सामाजिक जागरुकता से रोकना संभव

डॉ. दिनेश मिश्र

देश के ग्रामीण अंचल में आये दिन निर्दोष महिलाओं को जादू–टोने के आरोप में प्रताड़ित करने की घटनाएं होती है, उनमें से अधिकांश मामले आम लोगों की नजरों के सामने नहीं आते, सिर्फऐसी घटनाएं जिनमें किसी महिला को दी गई प्रताड़ना हद से बाहर सी हो गई हो, सांघातिक चोटें पहुंची हो या हत्या हो गई हो, वे ही मामले पुलिस व प्रेस या सामाजिक कार्यकर्ताओं तक पहुंचते है। छोटी–छोटी घटनाएं तो लोगों की जानकारी में आती ही नहीं, कुछ मामलों मेंप्रताडित व्यक्ति बदनामी के डर से मामले को उजागर नहीं करते है। कहीं–कहीं प्रताड़ना करने वाला गुट इतना शक्तिशाली व प्रभावी होता है कि उसकी पहुंच के कारण मामला रफा–दफा कर दिया जाता है। समाचार पत्रों एवं मीडिया की सुर्खियां बनती प्रताड़ना की घटनाएं किसी एक क्षेत्र या प्रदेश की नहीं हैं, बल्कि देश के लगभग सभी प्रांतों से ऐसी घटनाओं की जानकारी मिलती है। फ्रि भी सर्वाधिक मामले छत्तीसगढ़, झारखंड ,बिहार के है। पिछली कुछ चर्चित घटनाओं को देखें तो मानवीय व आधुनिक मानने वाले समाज की वास्तविकता सामने आ जाएगी।

पिछले दिनों बिहार के पूर्णिया के ग्राम टेटगमा में एक ही परिवार के 5 लोगों जिनमें 3 महिलाएं थीं डायन के संदेह में मारने पीटने फ्रि जिंदा जला देने की वीभत्स घटना सामने आई है। इसके पहले बलौदाबाजार के कसडोल थाने के ग्राम छरछेद में एक बच्ची को जादू टोने से बीमार करने के सन्देह में 2 महिलाओं सहित 4 व्यक्तियों की हत्या जिसमें एक साल का बच्चा भी शामिल है बर्बर तरीके से कर दी गई। ऐसा ही एक मामला बस्तर के सुकमा के एटकल ग्राम का है जहां जादू टोना से बच्चों को बीमार करने के शक में 3 महिलाओं सहित 5 व्यक्तियों की लाठियों से पीट पीट कर कर दी गई, इसके पहले मुंगेली में एक महिला को मिट्टी तेल डाल कर जलाने की घटना सामने आई थी और विलासपुर मस्तूरी से एक वृद्ध महिला को गर्म लोहे से दाग दाग कर मारने का भी मामला आया था । मंदिर हसौद के पास ग्राम टेकारी में रेवती बाई की हत्या जादू–टोने के शक में एक युवक द्वारा कर दी गई। इसके पूर्व अम्बिकापुर के लखनपुर ब्लाक के एक गांवझारपारा (जोधपुर) में टोनही के संदेह में नौ महिलाओं को प्रताड़ित किये जाने की घटना घटी। नौ महिलाओं को बैगाओं ने 8 दिन तक बुरी तरह प्रताड़ित किया। दो बैगाओं ने महिलाओं के सीने में बैठकर पिटाई की। उन महिलाओं को बबूल के कांटों पर सुलाया गया। उन्हें भूखे प्यासे रखा गया, उन्हें लोहे के चाबुक से कई बार मारा गया, इस पर भी जब उन्होने स्वयं पर लगाये जादू–टोने के आरोप को स्वीकार नहीं किया तब उनके बाल काट दिये गये। उन्हें निर्वस्त्र कर नाले पर नहलाया गया व गले में झाड़ू पहिनाकर गांव भर में बाजे–गाजे के साथ घुमाया गया। जो कि अत्यन्त शर्मनाक है । 14 वर्ष की बालिका से लेकर 80 वर्ष तक वृध्दा को प्रताड़ित करने के मामले है। ये कुछ ऐसे उदाहरण है जो अंधविश्वास के कारण डायन (टोनही) के संदेह में प्रताड़ना को स्पष्ट दर्शाते है।

21वीं सदी में भी दो दशक से अधिक समय बिता चुका हमारा समाज जहां एक ओर स्वयं को अति आधुनिक मानता है, वहीं दूसरी ओर भांति–भांति के अंधविश्वास समाज में जड़ जमाये हुए है। जादू–टोने के नाम पर महिला को दी जाने वाली प्रताड़ना डायन–टोनही समस्या के नाम से जानी जाती है, देश व छत्तीसगढ़ के प्रमुख अंधविश्वासों में से एक है। अंधविश्वास एवं टोना–टोटका जैसी घिसी–पिटी मान्यताओं के दम पर आज भी कई स्थानों पर महिला प्रताड़ना का कारण है। इस संबंध में एक आश्चर्य की बात यह है कि साक्षरता के प्रकाश से दूर अनपढ़ ग्रामीणों को लेकर पढ़े–लिखे लोग भी इन बातों पर कुछ न कुछ भरोसा करते हैं।

अंधविश्वास के जुनून की बलि चढ़ती महिला प्रताड़ना की घटनाएं सभ्य व पढ़े–लिखे समाज के लिए एक शर्म की बात है, वहीं दूसरी ओर पूर्ण साक्षरता की ओर धीरे–धीरे कदम बढ़ा रहे देश के काफी नागरिकों के मन में अभी भी संदेह ही है, कि क्या डायन या टोनही वास्तव में कोई ऐसी शक्तियों से युक्त महिला होती है, जो किसी के सम्मुख आर्थिक, शारीरिक, मानसिक उलझने पैदा कर सके या टोना कर किसी को बीमारी या नुकसान पहुंचा सके। क्या टोनही (डायन) का कोई चमत्कारिक अस्तित्व है, जो लोगों को इतना नुकसान पहुंचा सकता है, कि उससे बचाव के लिए उसके साथ मारपीट कर गांव निकाला कर, या हत्या करना ही एकमात्र उपाय है या अंधविश्वास का सहारा लेकर जादू, टोना, टोटका का कुप्रचार कर, गांव में भय व भ्रम का वातावरण निर्मित कर स्वयं की स्वार्थ सिध्दि ही इसके मूल में है। किसी भी महिला को ''टोनही'' जादूगरनी (डायन) घोषित करने से उसे शारीरिक प्रताड़ना, मारपीट, मानसिक प्रताड़ना, सामाजिक बहिष्कार जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। कई बार प्रताड़नाओं के चलते या तो उसे घर–बार छोड़कर गांव से बाहर निकलना पड़ता है, जिससे या तो वह स्वयं आत्महत्या कर लेती है अथवा कई मामलों में मारपीट कर उसकी हत्या कर दी जाती है। महिला अत्याचार की ऐसी घटनाएं गांवों, कस्बों में अधिकांश घटित होती रहती हैं।

आजादी के पहले देश में शिक्षा व चिकित्सा सुविधा का प्रसार देश में बहुत कम था, गांव, कस्बों में या तो स्कूल कालेजों की पढ़ाई करने के लिए तथा मीलों चलकर जाना पड़ता था, वहीं चिकित्सा के लिए मजबूरीवश गांव में जो भी बैगा गुनिया, झाड़–फूंक करने वालों के ही भरोसे रहना पड़ता था, आजादी के बाद आज स्थिति कुछ सुधरी जरूरी है, लेकिन अब भी पुरानी मान्यताओं के चलते ग्रामीण अंचलों में किसी बच्चे को बुखार आने, पेट में दर्द होने, खाना न खाने, रात में रोने, नींद न आने पर, गांव में फसल कम होने, पानी कम गिरने या अधिक गिरने, पशुओं की तबियत खराब होने, दूध न देने, पशुओं के मरने आदि जितनी भी किस्म की विपरीत परिस्थितियां होती है, उनका कारण जादू, टोना करना, नजर लगाना को ही मान लिया जाता है तथा लोग बैगा गुनिया में झाड़–फूंक कराने, ताबिज पहनने, भभूत खाने के चक्कर में लोग समय व धन नष्ट करते हैं।

बैगा गुनिया नजर लगाने, जादू–टोना करने की बात करने लगते हैं तथा पूरा का पूरा गांव उस महिला की खोज में लग जाता है, जिसकी जादू टोने से उस व्यक्ति की तबियत खराब, फसल खराब, व्यापार में हानि हुई हो। गांव में ही ऐसे कई लोग होते हैं जो किसी महिला को डायन अर्थात जादू–टोना करने वाली टोनही करार देते हैं व उसके खिलाफदुष्प्रचार होता रहता है। धीरे–धीरे गांव ही उस महिला के विरोध में हो जाता है। कथित डायन–टोनही के विरोध में कई किस्से कहानियां गढ़ दी जाती हैं। डायन–टोनही करार दी जाने वाली महिला साधारणतया गरीब घर की प्रौढ़, विधवा तथा कई बार नि:संतान महिला होती है, जिनके घर में या तो सदस्य कम होते हैं अथवा निर्धन, अकेले होने के कारण सामूहिक व सुनियोजित षडयंत्र का प्रतिकार करने में अक्षम होते हैं। पहले तो उस महिला को कहा जाता है कि उसेन जादू–टोने के बल से जिस परिवार पर विपदा लायी है, इसलिए स्वयं ही उसे दूर करें, जो कि उसके वश में होता ही नहीं। धीरे–धीरे दुव्यर्वहार, प्रताड़ना, मारपीट, सामाजिक बहिष्कार, गांव से निकालने का प्रयास आदि की कोशिशें की जाती है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

विधायक ललित चंद्राकर ने रुद्राभिषेक कर प्रदेश वासियों को श्रावण मास की शुभकामनाएं दी

दुर्ग। मैत्री कुंज रिसाली में आज पवित्र सावन मास के अवसर पर आयोजित शिवलिंग स्थापना के कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर सम्मिलित होकर शिवलिंग पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रुद्राभिषेक व पूजा अर्चना किया ।' देवाधिदेव महादेव के परम प्रिय श्रावण मास की प्रदेश वासियों एवं सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई दी। भगवान भोलेनाथ की कृपा से सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेश वासियों को सुख-समृद्धि व उत्तम स्वास्थ्य की प्राप्ति हो। साल का सबसे पवित्र महीना और भगवान शिव के समर्पित सावन माह की 10 जुलाई से शुरूआत हो गया है। ये महीना भगवान शिव के भक्तों के लिए बेहद खास होता है। इस दौरान भगवान शिव के भक्त कड़ी तपस्या और जप-तप करते हैं ताकि उनकी मनोकामनाएं पूरी हो सकें। विधायक ने प्रदेश के समस्त शिव भक्तों व श्रद्धालुओं को भगवान शिव को समर्पित पवित्र श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, पार्षद रमा साहू,अनिल साहू,आसपुरण चौधरी,अजित चौधरी, अजित परिहार समेत बड़ी संख्या में श्रद्धलुगण उपस्थित रहे।

परमेश्वरी भवन प्रगति नगर रिसाली में मार्शल आर्ट के 77 खिलाड़ियों का बेल्ट अपग्रेडेशन एवं सम्मान समारोह

भिलाई। परमेश्वरी भवन प्रगति नगर रिसाली में अभिषेक मार्शल आर्ट एवं स्पोर्ट्स एकेडमी के 77 खिलाड़ियों का बेल्ट अपग्रेडेशन एवं सम्मान समारोह का गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि एकेडमी के संरक्षक एवं देवांगन जन कल्याण समिति भिलाई के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन थे। उन्होंने कहा कि मार्शल आर्ट आत्मरक्षा के साथ ही जीवन को अनुशासित बनाने की बेहतरीन कला है। उन्होंने कहा कि मार्शल आर्ट हर वर्ग के लोगों के लिए बहुत ही उपयोगी है। कठोर परिश्रम एवं सतत् अभ्यास से ही कला में निपुणता आती है। इस अवसर पर कराटे के खिलाड़ियों ने अपने प्रशिक्षक गुरु सेंसाई अभिषेक कुमार ब्लैक बेल्ट 3 डीएन कियो सर्टिफाइड जज एवं कोच का विशेष सम्मान कर उपहार भेंट किया। विशेष उपलब्धियों के लिए सम्मानित होने वाले खिलाड़ियों में कराटे नेशनल प्लेयर केशर देवांगन, कलश गंगबोइर, प्रियांशु नेताम, मयंक देवांगन तथा ओवरऑल बेस्ट परफॉर्मर नायरा बघेल एवं आदित्य रंजन का ट्राफी देकर सम्मान किया गया। इसके साथ ही कराटे के सभी 77 उत्तीर्ण खिलाड़ियों को अपग्रेडेड कलर बेल्ट एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

देवधाम, सिंधू भवन और सब्जी मंडी का होगा काया कल्प, डेढ़ करोड़ के विकास कार्यों का विधायक रिकेश ने किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने सब्जी मंडी में डोम शेड, सिंधू भवन विस्तार और जवाहर नगर में देव धाम निर्माण के लिए लगभग 1.51 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर पार्षद स्मिता दोंडके, कांजी भाई, दिलीप पवानी, भीमसेन सेतपाल सहित व्यापारीगण और सिंधी पंचायत के प्रतिनिधि मौजूद रहे। आपको बता दें कि गोल मार्केट वैशाली नगर स्थित सब्जी मंडी चबूतरे को व्यवस्थित कर उसका सौंदर्यीकरण, तीन डोम शेड निर्माण कार्य के लिए वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने मार्केट व्यापारियों की मौजूदगी में 10 लाख 59 हजार रूपये के कार्य के लिए भूमिपूजन किया।

इसके पश्चात सिंधू भवन विस्तार और डोम शेड के लिए लगभग 40 लाख के निर्माण कार्य का भूमिपूजन हुआ। विधायक सेन का श्रीराम सिंधी पंचायत के अध्यक्ष

दिलीप पवानी और समाज प्रमुखों ने स्वागत किया। विधायक रिकेश ने सिंधू भवन प्रांगण के विस्तार के लिए 25 लाख रूपये, मंदिर प्रांगण में डोम शेड के लिए 15 लाख रूपये के विकास कार्यों के लिए भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर वार्ड पार्षद श्रीमती स्मिता दोंडके, भीमसेन सेतपाल, जय गेहानी, गोपी राजपालानी, अर्जुन सचदेव, मुन्ना लाल कुकरेजा, चंदूलाल आहूजा सहित सिंधी समाज के प्रमुखजन मौजूद रहे।

जवाहर नगर में देव धाम निर्माण के लिए लगभग 1 करोड़ रूपये के निर्माण कार्यों का विधायक श्री सेन ने भूमिपूजन किया। इस अवसर पर सेन ने श्रीश्रीश्री मंकिनम्मा मंदिर, रेणुका एलम्मा देवी मंदिर, नुकाम्बिका देवी, विराट पोतुलूरी वीर ब्रम्हेंद्र स्वामी मंदिर, मां सिन्धु पाटरानी मंदिर के लिए पहुंच मार्ग, डोम शेड, स्ट्रीट लाइट्स सहित सम्पूर्ण क्षेत्र को देव धाम के रूप में डेवलप किया जाएगा। इस अवसर पर तेलुगू, उत्कल, वैश्य, चित्रगुप्त, यदुवंशी, कसौंधन वैश्य समाज के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

विधायक देवेंद्र यादव ने लोगों से की भेंट मुलाकात सैकड़ों लोगों ने रखीं अपनी समस्याएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने रविवार सेक्टर-5 स्थित अपने जनसंपर्क कार्यालय में भिलाई नगर के विभिन्न वार्डों से आए सैकड़ों लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। जनसुनवाई के दौरान टाउनशिप क्षेत्र के सेक्टर-1, सेक्टर-2, सेक्टर-3, सेक्टर-4 सहित कई अन्य वार्डों के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं को सामने रखा।

वर्तमान में हो रही लगातार बारिश के कारण नागरिकों को विभिन्न प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई लोगों ने शिकायत की कि बारिश का पानी उनके घरों और गलियों में भर रहा है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। वहीं कई वार्डों के लोगों ने नलों में

गंदा और दूषित पानी आने की समस्या भी बताई, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। इसके अतिरिक्त जनसुनवाई में नागरिकों ने बिजली, नाली निर्माण, राशन कार्ड, पेयजल व्यवस्था, पेंशन और अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याएं भी रखीं। विधायक देवेंद्र यादव ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और तत्काल संबंधित विभागों के अधिकारियों को फोन कर समाधान के निर्देश दिए।

विधायक देवेन्द्र यादव ने कहा कि बीएसपी टाउनशिप क्षेत्र में जलभराव की विकराल स्थिति के लिए बीएसपी प्रबंधन की लापरवाही जिम्मेदार है। बारिश के पूर्व नालों की समुचित सफाई नहीं की गई, जिसके चलते पानी की निकासी नहीं हो पा रही है और लोगों के घरों में पानी भर रहा है।

इस संबंध में उन्होंने बीएसपी प्रबंधन को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि नालों की जल्द से जल्द सफाई कराई जाए और स्थायी समाधान की दिशा में कार्य किया जाए। विधायक ने भरोसा दिलाया कि भिलाई नगर के हर नागरिक की समस्या उनकी अपनी समस्या है, और वे हर समय जनता के साथ खड़े हैं। सभी समस्याओं का यथाशीघ्र निराकरण कराया जाएगा ताकि लोगों को राहत मिल सके।

पानी निकासी और एप्रोच सड़क बनाने विधायक गजेन्द्र यादव मैदान में उतरे

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर के जनसमस्याओं के समाधान के लिए आज सुबह शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने चार वार्डों का निरीक्षण किया। सुबह 8 बजे शुरू हुए इस मॉर्निंग विजिट में वे रायपुर नाका, पुलिस लाइन, गांधी चौक, पद्मनाभपुर एवं पोटिया चौक पहुंचे, जहाँ उन्होंने पीडब्लूडी की इंजीनियरिंग टीम के साथ मिलकर बारिश के दौरान होने वाली जलभराव की समस्याओं और ट्रैफिक दबाव को लेकर गहन निरीक्षण किया। उन्होंने कहा की मुख्यमंत्री विष्णुदेव के सुशासन में दुर्ग के विकास में कोई कमी नहीं होगी दुर्ग का समग्र विकास करने हम लगातार कार्यरत है।

विधायक गजेन्द्र यादव ने बताया कि बरसात के मौसम में जलभराव की स्थिति से बचने के लिए नालियों की व्यापक सफाई एवं छोटी नालियों को बड़ी नालियों से जोड़ने की योजना बनाई जा रही है, ताकि पानी की निकासी सुचारू रूप से हो सके।

इसके साथ ही, नागरिकों को बेहतर एवं सुरक्षित आवागमन सुविधा देने के उद्देश्य से एप्रोच सड़कों का निर्माण कर उन्हें मुख्य सड़कों से जोड़ा जाएगा। आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिकों का आवागमन होता है। इसे ध्यान में रखते हुए विधायक ने ट्रैफिक दबाव कम करने हेतु विभिन्न स्थानों का स्थलीय निरीक्षण कर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस निरीक्षण के दौरान वार्ड पार्षद संजय अग्रवाल, देवनारायण तांडी, श्रीमती लोकेश्वरी ठाकुर सहित क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ की आमसभा एवं नई प्रबंधकारिणी का चुनाव 27 जुलाई को

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को सियान सदन शांति नगर भिलाई में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर निर्णय लिया गया कि महासंघ की आमसभा 27 जुलाई को प्रात: 11 बजे से सियान सदन शांतिनगर भिलाई में आयोजित की जाएगी।

इसके साथ ही महासंघ की वर्तमान कार्यकारिणी का त्रिवर्षीय कार्यकाल पूरा होने के कारण नई प्रबंधकारिणी के लिए नियमानुसार चुनाव भी इसी दिन संपन्न होगा। इस हेतु महासचिव के द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष पुरुषोत्तम साहू ने महासंघ के वर्तमान पदाधिकारियों एवं सदस्यों के सक्रिय योगदान व उपलब्धियों की सराहना की तथा सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। बैठक के आरंभ में महासचिव गजानंद साहू ने वर्तमान कार्यकारिणी के कार्यकाल जुलाई में पूर्ण होने एवं नई कार्यकारिणी के त्रिवार्षिक चुनाव की प्रक्रिया संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की। उन्होंने सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का समाधान किया। बैठक में महासंघ के सभी 95 आजीवन सदस्यों की जानकारी देकर उनका परिचय कराया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए महासंघ के सलाहकार घनश्याम कुमार देवांगन ने कहा कि समय देने वाले सक्रिय एवं योग्य सदस्यों को ही चुनाव में महत्वपूर्ण पदों पर निर्वाचित कर जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। इसके लिए आमसहमति बनाकर चुनाव किया जा सकता है। बैठक में उपाध्यक्ष बलबीर सिंह सहगल, संगठन सचिव जे. आर. साहू, वरिष्ठ सदस्य रतनलाल गोयल, बाबूलाल साहू, हुकुमचंद देवांगन, नामदेव राव मोरे आदि ने भी विचार व्यक्त करते हुए अनेक महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

बेटियों की शिक्षा में नहीं आएगी बाधा, जीई फाउंडेशन ने दिए उपहार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शिक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्यरत गोल्डन एंपथी (जीई) फाउंडेशन ने संजीवनी बालिका हॉस्टल में स्कूली छात्राओं को स्कूल बैग, जूते, नोटबुक और स्टेशनरी सामग्री का वितरण किया। छात्राओं को शिक्षा में सहूलियत प्रदान करने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने के उद्देश्य से की गई इस पहल के दौरान फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने बेटियों की शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।

जीई फाउंडेशन के संयोजक प्रदीप पिल्लई ने बच्चियों को नए शैक्षणिक सत्र की शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि हर बार की तरह सभी बेटियां उल्लेखनीय

अकादमिक परिणाम लाएंगी। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन भविष्य में भी ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और समग्र विकास के लिए इस प्रकार के प्रयास करता रहेगा।

इस दौरान विशेष तौर पर उपस्थित समाजसेविका श्रीमती कमला देवी टावरी ने बच्चियों को संबोधित करते हुए कुछ प्रेरक प्रसंग सुनाए और जीवन में हर चुनौती का सामना करने तैयार रहने का आह्वान किया। समग्र शिक्षा अभियान दुर्ग जिला समन्वयक सुरेंद्र पाण्डेय ने जीई फाउंडेशन की पहल को एक अनुकरणीय कदम बताते हुए कहा कि ऐसे छोटे-छोटे कदम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक सिद्ध होते हैं। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ जीवन मूल्यों को भी जरूर जानें। छात्राओं ने इस सहयोग के लिए आभार प्रकट किया और नए उत्साह के साथ अपने शैक्षणिक जीवन को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर समग्र शिक्षा अभियान दुर्ग की सहायक समन्वयक गीता शर्मा, संजीवनी बालिका आवासीय छात्रावास दुर्ग की अधीक्षिका धनेश्वरी साहू, लेखापाल ऋतु मेश्राम, सुरुचि टावरी, शुभगा सुरेश, मृदुल शुक्ला, डॉ ज्योति पिल्ले, मोनिका सिंह,विशाखा मनगुडे, प्रकाश देशमुख, अजीत सिंह और प्रद्युम्न टावरी सहित शिक्षकगण और अन्य स्थानीय गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे।

मधुमेह मरीजों को बताए स्वस्थ रहने के गुर, बच्चों को पौष्टिक आहार देने सलाह

शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम चरोदा भिलाई-तीन के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर देवबलौदा में लगाया स्वास्थ्य शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग भिलाई इस्पात संयंत्र के द्वारा जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र सेक्टर-9 की टीम भिलाई सहित दुर्ग जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर रही है। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज दानी के निर्देश पर स्वास्थ्य महकमा सहयोगी मरीजों उपचार कर लोगों को लाभ पहुंचा रहा है।

इसी कड़ी में विकास खंड पाटन के शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम चरोदा भिलाई-तीन के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर देवबलौदा में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया।

बीईटीओ सैय्यद असलम ने बताया कि शिविर में कुल 96 लोगों का पंजीकरण किया गया उच्च रक्तचाप ओर

डायबिटीज टाइप-2 और नवजात शिशुओं की विशेष स्क्रीनिंग की गई। जिसमें 6 मरीज उच्च रक्तचाप और 10 मरीज टाइट 2 डाइबिटीज के मरीज मिले हैं। नवजात शिशुओं की स्क्रीनिंग में माताओं को बच्चों को स्तनपान के बाद बच्चों को डकार दिलाने की विधि बताई गई।

डॉ. एएल बेंजामिन ने बताया कि बच्चों में चर्म रोग और बुखार सर्दी-जुकाम वायरल फीवर के मरीज मिले। जिसके लिए दवा देकर साफ-सफाई और ताजा भोजन करने और स्वाद अनुसार व्यंजन बनाकर बच्चों को देने बताया गया ताकि बच्चों को बाहरी बिकने वाली चीजें से बचाए जा सके।

उन्होंने माताओं को बताया कि सूजी के अलग-अलग व्यंजन में हलवा,उपमा,खीर बनाकर अलग-अलग दिन दें, जिससे बच्चों में खानपान के प्रति रुचि बनी रहे। उसी तरह अन्य साग सब्जी और बेसन को अलग-अलग स्वरूप में बनाकर देने से बच्चों में रुचि रहेगी। बीईटीओ सैय्यद असलम ने बताया कि महिला और पुरुष रोग में कमर दर्द और कमजोरी एनीमिया सामान्य रूप से मिले हैं। जिसका प्रमुख कारण कुपोषण, अच्छा पौष्टिक आहार की कमी है। चर्म रोग को लेकर वर्षा ऋतु में नमी ओर गीलेपन से बचाव जरूरी है।

कपड़े सुखा कर और प्रेस करके पहने जिससे फंगल इंफेक्शन से बचाव हो सकता है। इस समय फंगल इंफेक्शन व्यापक रूप ले रहा है। तालाब के पानी में नहाने से बचना चाहिए। डॉ बेंजामिन ने कहा स्वच्छता को हर स्तर पर अपनाए ताजा भोजन करें, प्रतिदिन स्नान करे बच्चों में व्यावहारिक स्वच्छता जरूर सीखना चाहिए।

शिविर में फार्मासिस्ट सोशन जेकब, नर्सिंग सिस्टर प्रभा सेमवाल, शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम चरोदा भिलाई-3, सीनियर कंसल्टेंट एल एच व्ही आर विश्वास देवबलौदा ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजिका देविला चंद्राकर, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक कुमेश साहू और रजिस्ट्रेशन में मंसूर अली ने स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

सरस्वती शिशु मंदिर में संस्कारों का उत्सव, शिक्षक हुए सम्मानित

रायपुर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर टिकरापारा में गुरु पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भास्कर राव, पूर्व संघ संचालक, कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी माधव लाल यादव ने की। सरजू मान्था विकास समिति के सचिव संजय जोशी एवं समिति की सदस्य श्रीमती सुनीता चंद सौरिया भी कार्यक्रम में विशिष्ट रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की सभी शिक्षिकाओं का गणवेश एवं श्रीफल प्रदान कर सम्मान किया गया। साथ ही विद्यार्थियों द्वारा गुरु पर्व के उपलक्ष्य में कविता, भाषण एवं गीत की सुंदर व मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं।

माधव लाल यादव ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को उत्तम पुरुष बनने की दिशा में प्रेरित किया, जो उन्हें एक आदर्श और सफल नागरिक बनने में सहायक सिद्ध होगा। समिति के सचिव संजय जोशी ने सभी शिक्षिकाओं (दीदियों) और विद्यार्थियों को गुरु पर्व की शुभकामनाएँ दीं तथा गुरु जैसे महत्वपूर्ण दायित्व को निष्ठा व ईमानदारी से निभाकर विद्यालय और समाज का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की कक्षा अष्टम की छात्रा बहन हिमांशी रेंगें ने किया तथा आभार प्रदर्शन विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती हेमलता यादव जी द्वारा किया गया।

महादेव घाट में लगी भक्तों की कतार, हटकेश्वर महादेव में जलाभिषेक

रायपुर। देशभर में आज सावन सोमवार की घूम नजर आ रही है। पवित्र श्रावण माह के इस पहले सोमवार को भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए मंदिरों में शिवभक्तों की कतार दिखाई दे रही है। बड़ी संख्या में आम भक्त और कांवड़िये शिवलिंग पर जल अर्पण के

लिए उमड़े हुए है। बात करें रायपुर शहर की तो यहां के प्रसिद्द खारून नदी के तट पर स्थित हटकेश्वर महादेव घाट में देर रात से ही भक्तों की कतार दिखाई दे रही है। यहाँ न सिर्फरायपुर बल्कि दूर-दराज से भी शिवभक्त, भगवान भोलेनाथ पर जल चढ़ाने पहुंचे हुए है। महादेव घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के भी पुख्ता इंतज़ाम किये गये है। इसी तरह भिलाई के देव बलौदा समेत समूचे छत्तीसगढ़ के शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ दिखाई पड़ रही हैं।

कलेक्टर ने आरंग बकतरा को पशुपालन हब के रूप में विकसित करने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नेशनल गोट-डे के अवसर पर आज आरंग विकासखंड में ग्राम बकतरा में आयोजित कार्याशाला में क कलेक्टर डॉ गौरव सिंह शामिल हुए। यह कार्यशाला बकरी पालक किसानों पशु सखियों का तकनीकी सलाह प्रदान करने के लिए आयोजित की गई थी। इसका आयोजन दाऊ वासुदेव चंद्राकर कामधेनू विश्वविद्यालय और केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान द्वारा पशुधन विकास विभाग के सहयोग से आयोजन किया गया। कलेक्टर ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि ग्राम बकतरा को पशु पालन के क्षेत्र में हब के रूप में विकसित किया जा सकता है।

जिससे यहां गाय पालन, बकरी पालन तथा अन्य पशु-पशुओं के पालन में अच्छी संभावनाएं उभरें। यहीं नही ऐसा उत्पादन हो कि अन्य जगहों से व्यापारी यहां पर पशुओं की खरीदी करें और पशु उत्पादन से अच्छी आय है। उन्होंने पशु सखियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इनका योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका है। कृत्रिम गर्भाधान की आधुनिक तकनीक से जन्मी गाय की बछियां और भैंस के बच्चे पडिया का अवलोकन कर जानकारी ली। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कुमार बिश्वरंजन, पशुधन विभाग के संयुक्त संचालक डॉ शंकर लाल उइके, कामधेनू विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक केसी रामटेके सहित संबंधित उपस्थित थे।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आरंग में किया सघन निरीक्षण

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आरंग ब्लॉक का सघन निरीक्षण करते हुए आंगनबाड़ी केन्द्रों, शासकीय विद्यालयों और धान संग्रहण केंद्रों का दौरा किया। कलेक्टर डॉ सिंह ने सर्वप्रथम आरंग स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 1 और 2 पहुंचे, जहां उन्होंने बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं, पोषण आहार और अन्य सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच की और आवश्यक निर्देश दिए। इसके पश्चात डॉ. सिंह ग्राम बकतरा स्थित शासकीय प्राथमिक शाला पहुंचे। वहां उन्होंने विद्यार्थियों से बातचीत किया तथा शिक्षण व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर ने विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए स्कूल प्रबंधन को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर खाद्य संग्रहण केंद्र बकतरा भी पहुंचे। वहां संग्रहित धान को सुरक्षित ढंग से ढका हुआ पाया गया। कलेक्टर ने संग्रहण केंद्र तक पहुंच मार्ग (एप्रोच रोड) निर्माण के निर्देश दिए तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु सघन वृक्षारोपण के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, एसडीएम पुष्पेंद्र शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रायपुर, बिलासपुर और नागपुर के रोजगार मेला में 407 अभ्यर्थियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर-बिलासपुर। रोजगार मेला के 16वें चरण के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर में रोजगार मेलों का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों में चयनित कुल 407 नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के लगभग 51,000 नवनियुक्त अभ्यर्थियों को संबोधित किया एवं उन्हें नई भूमिका हेतु शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

बिलासपुर में यह आयोजन नॉर्थ ईस्ट इंस्टिट्यूट ऑडिटोरियम में किया गया, जहाँ 185 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इसमें 173 अभ्यर्थी रेलवे विभाग से तथा 12 अभ्यर्थी अन्य विभागों (सीआईएसएफ एवं डाक विभाग) से थे। मुख्य अतिथि के रूप में तोखन साहू, केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री, भारत सरकार, उपस्थित रहे। उन्होंने प्रारंभिक 30 नियुक्ति पत्र प्रदान किए। शेष नियुक्ति पत्र विभागीय अधिकारियों एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विधायक सुशांत शुक्ला, महापौर पूजा विधानी, मंडल रेल प्रबंधक राजमल खोईवाल, रेल अधिकारीगण, जनप्रतिनिधि एवं मीडिया कर्मी उपस्थित रहे।

रायपुर रेल मंडल में यह आयोजन कम्युनिटी हॉल, डब्लूआरएस कॉलोनी में किया गया। यहां 73 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए, जिनमें से 57 अभ्यर्थी फिजिकली उपस्थित रहे। इसमें रेलवे विभाग के 45, पोस्टल विभाग के 4, गृह मंत्रालय के 2, स्वास्थ्य मंत्रालय के 5 एवं संस्कृति मंत्रालय के 1 अभ्यर्थी शामिल थे। मुख्य अतिथि के रूप में दुर्गादास उइके, केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री उपस्थित रहे। साथ ही सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा, सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, अपर मंडल रेल प्रबंधक बजरंग अग्रवाल, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राहुल गर्ग सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नागपुर में रोजगार मेला मंगल मंडप, कड़बी चौक में आयोजित किया गया। यहाँ 149 नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार रहे। उनके साथ विधायक कृष्णा खोपड़े (नागपुर पूर्व) भी मंचासीन रहे। रोजगार मेला के इस आयोजनों के माध्यम से युवाओं को रोजगार प्रदान कर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में सार्थक योगदान दिया गया। तीनों स्थानों पर अभ्यर्थियों, जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति ने इन आयोजनों को अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक बनाया।

सांसद बृजमोहन की पहल पर रद्द ट्रेनों की पुनर्बहाली की घोषणा

रायपुर। रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल के सतत प्रयासों का सुखद परिणाम एक बार फिर सामने आया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (SECR) द्वारा सुरक्षा संबंधी अनुरक्षण कार्यों के चलते रद्द की गई एक दर्जन से अधिक यात्री ट्रेनों के संचालन को पुनः बहाल करने की घोषणा की गई है। 30 जून 2025 को रायपुर में आयोजित SECR के महाप्रबंधक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई महत्वपूर्ण बैठक में सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने इन ट्रेनों के बंद होने से हो रही जनसामान्य की परेशानी को मजबूती से उठाया था।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ट्रेनों का संचालन शीघ्र शुरू किया जाए ताकि यात्रियों को राहत मिल सके। अब रेलवे प्रशासन ने सांसद अग्रवाल के आग्रह पर करीब 13 ट्रेनों के 15 जुलाई से पुनः संचालन के निर्देश जारी कर दिए हैं, जो छत्तीसगढ़वासियों के लिए एक बड़ी राहत है। इन ट्रेनों की बहाली से न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि व्यापार, शिक्षा और रोजगार के लिए यात्रा कर रहे हजारों लोगों को भी लाभ मिलेगा। जनहित के इस निर्णय हेतु सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने रेलवे प्रशासन का आभार प्रकट किया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि छत्तीसगढ़ की जनता की हर जरूरत और समस्या के समाधान के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे।

भगवान जगन्नाथ की यात्रा पर झूठी टिप्पणी कर राहुल गांधी ने बहुत बड़ा अपराध किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा जगन्नाथ भगवान की रथयात्रा को लेकर बोले गए झूठ पर करारा हमला करते हुए भारतीय जनता पार्टी के विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा कि इस झूठ के कारण राहुल गांधी की दुर्गति होना तय है। रथयात्रा को लेकर झूठ बोलने का ऐसा दुस्साहस न पहले कोई कर पाया, न आज कर पाता है और न ही भविष्य में कोई कर पाएगा। भगवान जगन्नाथ कलियुग के भगवान हैं और उनकी इच्छा के बिना तो उनके दर्शन तक नहीं मिलते। भगवान जगन्नाथ की यात्रा पर झूठी टिप्पणी कर राहुल गांधी ने बहुत बड़ा अपराध किया है और इसके लिए श्राप लगेगा और इसके साथ ही उनकी दुर्गति और सत्यानाश होना तय है। सनातन विरोधी राहुल गांधी का ऐसा बयान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस अब लगातार सनातन विरोधी चरित्र का प्रदर्शन कर रही है। कांग्रेस के बड़े से लेकर छोटे, तमाम नेता इन दिनों अपने सनातन विरोधी एजेंडे पर चल रहे हैं। इससे अधिक शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता कि तुष्टीकरण की राजनीति के चलते लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हमेशा राजनीति के निम्न स्तर को छुआ है और अब वह विश्वभर के करोड़ों लोगों की आस्था के साथ भी झूठ बोलकर खिलवाड़ करने से बाज नहीं आए हैं। राहुल गांधी को इस बात पर शर्म महसूस करनी चाहिए। श्री मिश्रा ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा को लेकर सफेद झूठ बोलकर अपने सनातन विरोधी चरित्र का परिचय दे रहे राहुल गांधी को यह नहीं भूलना चाहिए कि ऐसे लोगों की राजनीति में कोई जगह नहीं है और भगवान जगन्नाथ के नाम पर झूठ बोलकर जिसने भी राजनीति करने का दुस्साहस किया, उसका हश्र बुरा ही होगा। राहुल गांधी ने यह सरासर मिथ्या प्रलाप किया है कि रथयात्रा में आम भक्तों की भीड़ रोककर एक विशेष व्यक्ति के लिए रास्ता साफकिया गया।

भाजपा विधायक श्री मिश्रा ने कहा कि रथयात्रा को लेकर इस तरह की झूठी बयानबाजी करके अपनी मूर्खता ही साबित की गई है। ऐसी टिप्पणियां 'अनुचित और अतार्किक' हैं। जब तक भगवान जगन्नाथ स्वयं नहीं चाहेंगे, तब तक पुरी में रथों को कोई नहीं रोक सकता।

श्रीरामलला दर्शन तीर्थयात्रा ट्रेन कल होंगी रायपुर से रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं के लिए एक सुनहरा अवसर सामने आया है। केंद्र सरकार की श्रीरामलला दर्शन योजना के अंतर्गत रायपुर से अयोध्या और वाराणसी के लिए एक विशेष तीर्थयात्रा ट्रेन 15 जुलाई को रवाना होगी। इस धार्मिक यात्रा में रायपुर से 300 से अधिक तीर्थयात्री भाग लेंगे जिन्हें भगवान श्रीराम के पावन नगरी अयोध्या के साथ-साथ बाबा विश्वनाथ की नगरी वाराणसी के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होगा।

15 जुलाई को यह विशेष ट्रेन दोपहर 1:10 बजे रायपुर रेलवे स्टेशन से रवाना होगी। 16 जुलाई को सुबह 10:15 बजे ट्रेन वाराणसी पहुंचेगी। यहां श्रद्धालु काशी विश्वनाथ मंदिर, गंगा घाट आदि का दर्शन करेंगे।और 17 जुलाई को सुबह 7:00 बजे ट्रेन वाराणसी से रवाना होकर दोपहर 1:30 बजे अयोध्या पहुंचेगी। यहां श्रद्धालु श्रीराम जन्मभूमि मंदिर और अन्य धार्मिक स्थलों का दर्शन करेंगे। 17 जुलाई की रात को दर्शन के उपरांत ट्रेन रात 10:00 बजे अयोध्या से वापसी के लिए रवाना होगी। 18 जुलाई को यह ट्रेन रात 10:00 बजे रायपुर पहुंचेगी जहां यात्रा का समापन होगा।

सांसद अग्रवाल ने प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में आर्य समाज द्वारा आयोजित 'प्रतिभावान सम्मान समारोह' में लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने शिरकत करते हुए मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने शिक्षा, संस्कार और सामाजिक सुधार के क्षेत्र में आर्य समाज के योगदान को अनुकरणीय बताया और आर्य समाज परिवार को इस प्रेरणादायक आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। सांसद अग्रवाल ने अपने संबोधन में आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती

को स्मरण करते हुए कहा कि, महर्षि दयानंद सरस्वती का उद्देश्य भारतीय समाज में धार्मिक और सामाजिक सुधार लाना था, जिसे आज भी आर्य समाज पूरी निष्ठा से निभा रहा है।

शिक्षा और संस्कारों को समाज की रीढ़ बताते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि आर्य समाज के कार्य समाज में सकारात्मक ऊर्जा और बदलाव लाते हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को एक उज्ज्वल भविष्य की दिशा में अग्रसर करने में सहायक हैं। समारोह में बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षकगण, आर्य समाज के पदाधिकारीगण और सम्मानित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सम्मान समारोह में विभिन्न कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अंत में कहा कि समाज को शिक्षित करना सबसे बड़ा सेवा कार्य है। आर्य समाज जिस तरह से शिक्षा, नैतिकता और संस्कृति के क्षेत्र में कार्य कर रहा है, वह निश्चित रूप से प्रशंसनीय और अनुकरणीय है।

विधायक मूणत ने खमतराई शीतला तालाब के पास किया विकास कार्यों का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक-1 के अंतर्गत वीर शिवाजी वार्ड क्रमांक-16 के खमतराई शीतला तालाब के समीप नवीन विकास कार्यों को शीघ्र कराये जाने रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने रायपुर नगर निगम सभापति सूर्यकान्त राठौड़, नगर निगम जोन-1 जोन अध्यक्ष और वीर शिवाजी वार्ड-16 के पार्षद गज्जू साहू, पूर्व पार्षद मोहन उपारकर, सामाजिक कार्यकर्त्ता सुन्दर लहरे, क्षेत्र के निवासी गणमान्यजनों, विशिष्टजनों आमजनों, महिलाओं, नवयुवकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति के मध्य श्रीफल फोड़कर और कुदाल चलाकर किया।

रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने नगर निगम जोन-1 जोन कमिश्नर डॉक्टर दिव्या चंद्रवंशी और कार्यपालन अभियंता गजाराम कँवर को स्वीकृति अनुसार वार्ड-16 के क्षेत्र में नए विकास कार्य शीघ्र प्रारम्भ करवाकर गुणवत्तापूर्ण तरीके से तय समयसीमा के भीतर जनहित में जनसुविधा की दृष्टि से शीघ्र सतत मॉनिटरिंग करवाकर पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। वार्ड-16 के पार्षद और निगम जोन-1 जोन अध्यक्ष गज्जू साहू ने सभी वार्डवासियों द्वद्व ओर से निगम जोन-1 के वार्ड-16 में शीतला तालाब खमतराई के पास नए विकास कार्यों का प्रारम्भ करवाने रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत और सभापति सूर्यकान्त राठौड़ को धन्यवाद दिया है।

करबला तालाब में एक पेड़ माँ के नाम पर किया पौधरोपण

रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक-7 के स्वामी आत्मानंद वार्ड क्रमांक 38 के अंतर्गत करबला तालाब चौबे कॉलोनी के पार में एक पेड़ माँ के नाम महाभियान के अंतर्गत नगर निगम उद्यानिकी और पर्यावरण विभाग के तत्त्वावधान में नगर निगम जोन क्रमांक-7 के सहयोग से रखे गए संक्षिप्त आयोजन में पहुंचकर प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने रायपुर नगर निगम सभापति सूर्यकान्त राठौड़, छत्तीसगढ़ राज्य लौह शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रफुल्ल विश्वकर्मा, पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग के अध्यक्ष भोलाराम साहू,लोक कर्म विभाग के अध्यक्ष दीपक जायसवाल, स्वामी आत्मानंद वार्ड नम्बर-38 के पार्षद आनंद अग्रवाल, ग्रीन आर्मी ऑफरायपुर के प्रदेश अध्यक्ष अमिताभ दुबे, उपस्थित सभी पदाधिकारियों, नगर निगम जोन-7 जोन कमिश्नर राकेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता ईश्वर लाल टावरे, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, महिलाओं, नवयुवकों, आमजनों की बड़ी संख्या में उपस्थिति के मध्य नगर निगम रायपुर के जोन क्रमांक-7 द्वारा स्थल पर एक पेड़ माँ के नाम महाभियान हेतु करवाई गयी गड्ढाँ, फेंसिंग व्यवस्था सहित एक पौधा माँ के नाम रोपित किया।

नीम, करंज और अन्य विभिन्न प्रजातियों के लगभग 50 पौधे रोपित कर सबने सहभागिता के माध्यम से लगाए गए। प्रत्येक पौधे की सुरक्षा और देखभाल अपनी संतान की तरह करने का सामूहिक संकल्प पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत के नेतृत्व में समाजहित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से लिया।

एक उभरती हुई अभिनेत्री हैं रोशनी वालिया, जो अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार-2 में आएंगी नजर?

अभिनेता अजय देवगन जल्द ही फिल्म सन ऑफ सरदार-2 में नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान विजय कुमार अरोड़ा ने संभाली है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। सन ऑफ सरदार-2 में मृणाल ठाकुर, नीरू बाजवा, संजय दत्त और रवि किशन जैसे सितारे भी नजर आएंगे। अभिनेत्री रोशनी वालिया भी इस फिल्म का हिस्सा हैं, जिनकी इस वक्त खूब चर्चा हो रही है। आइए जानें आखिर रोशनी हैं कौन।

रोशनी वालिया बॉलीवुड की एक उभरती हुई अभिनेत्री हैं। उनका जन्म 20 सितंबर, 2001 को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हुआ था। 24 वर्षीय रोशनी वर्तमान में मुंबई में रहती हैं। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई प्रयागराज से ही पूरी की है। हालांकि, उन्हें बचपन से ही अभिनय में रुचि थी, जिसके चलते उन्होंने मुंबई का रुख किया और विज्ञापनों में काम किया। रोशनी ने टीवी शो मैं लक्ष्मी तेरे आंगन की के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था।

रोशनी ने बालिका वधू: कच्ची उमर के पक्के रिश्ते, देवों के देव महादेव, ये वादा रहा और भारत का वीर पुत्र: महाराणा प्रताप जैसे धारावाहिकों में भी काम किया है। वह वेब सीरीज नाम नमक निशान में नजर आ चुकी हैं। रोशनी ने कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा की फिल्म फिरंगी में भी अभिनय किया है। अब वह सन ऑफ सरदार-2 के जरिए बड़े पर्दे पर धमाल मचाती नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर वह काफी उत्साहित हैं।

अश्विन कुमार की फिल्म पर रवीना टंडन का रिएक्शन आया सामने

अश्विन कुमार की आगामी पौराणिक फिल्म, महावतार नरसिम्हा का ट्रेलर रिलीज हो गया है और इसे हर तरफ से अपार प्यार मिल रहा है। यह बेहतरीन है और अपनी भव्यता, दृश्यात्मक आकर्षण और दमदार कहानी के साथ एक बेजोड़ सिनेमाई तमाशे की गारंटी देता है। निर्माताओं ने एक असाधारण घोषणा भी की: महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स की शुरुआत।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, अभिनेत्री रवीना टंडन ने पोस्टर शेयर किया और अपना उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर नया पोस्टर शेयर किया। 25 जुलाई को 3ड़ में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली यह फिल्म भगवान विष्णु के अवतारों को समर्पित एक विशाल सिनेमाई ब्रह्मांड की शुरुआत का प्रतीक है।

भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित, महावतार नरसिम्हा, हिरण्यकश्यप की शक्तिशाली कहानी कहती है, जो एक राक्षस राजा था, जिसे भगवान ब्रह्मा द्वारा लगभग अमरता प्रदान की जाती है और वह खुद को भगवान घोषित कर देता है। हालाँकि, उसका पुत्र, प्रह्लाद, भगवान विष्णु का एक भक्त बना रहता है, जो एक नाटकीय दैवीय हस्तक्षेप का मंच तैयार करता है। ट्रेलर में भगवान विष्णु के आधे सिंह और आधे मानव अवतार नरसिंह का आविर्भाव दिखाया गया है, जो प्रह्लाद की रक्षा करने और संतुलन बहाल करने के लिए अवतरित होते हैं।

अभिनेत्री दिव्या अग्रवाल ने दिए किलर पोज इंस्टाग्राम पर शेयर की ग्लैमरस तस्वीरें

टीवी और वेब सीरीज की पॉपुलर एक्ट्रेस दिव्या अग्रवाल ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट से सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है। दिव्या ने कुछ बेहद स्टाइलिश और बोल्ड तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिनमें वो मल्टीकलर कट-आउट ड्रेस में कातिलाना अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं।

अपने पोस्ट में दिव्या ने लिखा, मैं आपको कुछ बेहतरीन क्लिक्स से भर दूँगा! इन फोटोज में दिव्या का कॉन्फिडेंट एक्सप्रेशन, परफेक्ट मेकअप और खुले बाल उनके लुक को और भी ग्लैमरस बना रहे हैं। उनके इस अंदाज को देखकर फैंस लगातार तारीफ कर रहे हैं। किसी ने उन्हें गॉर्जियस कहा तो किसी ने सुपर हॉट बताते हुए कमेंट्स में फायर और हार्ट इमोजी की बारिश कर दी।

दिव्या अग्रवाल का यह लेटेस्ट फोटोशूट इस बात का सबूत है कि वह सिर्फ एक टैलेंटेड एक्ट्रेस ही नहीं बल्कि एक फैशन आइकन भी हैं, जो हर बार अपने नए अंदाज से फैंस को इंप्रेस कर देती हैं। उनके फोटोज कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स बटोर चुके हैं और तेजी से वायरल हो रहे हैं।

दिव्या के इस ग्लैमरस अवतार से साफ है कि वह न सिर्फ अपने प्रोजेक्ट्स से बल्कि अपने स्टाइलिश लुक्स से भी लाइमलाइट में रहना अच्छे से जानती हैं। फैंस को अब उनकी अगली पोस्ट और अपकमिंग वेब सीरीज का बेसब्री से इंतजार है।

पति संग क्रोएशिया में अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर ने रिफ्रेश किया अपना रोमांस

शिल्पा शिरोडकर अपने पति अपरेश रंजीत के प्यार में और भी ज्यादा डूबती जा रही हैं। हाल ही में अपनी 25वीं शादी की सालगिरह मनाने वाले इस जोड़े ने शुक्रवार, 11 जुलाई को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नई तस्वीर शेयर की, जिसमें वे एक-दूसरे के प्यार में डूबे हुए नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री और उनके पति अपनी शादी के एक अहम पड़ाव का जश्न मनाने के लिए क्रोएशिया गए हुए हैं।

इस कैंडिड तस्वीर में, दोनों एक हरे-भरे बगीचे में खड़े हैं और एक ही दिशा में देख रहे हैं, जबकि हवाएँ शिल्पा के बालों में धीरे-धीरे बह रही हैं। उनके पति ने उनके कंधे पर एक गर्मजोशी और सुरक्षा भाव से हाथ रखा हुआ है। पति संग क्रोएशिया में शिल्पा शिरोडकर ने रिफ्रेश किया अपना रोमांसइस तस्वीर में शिल्पा एक स्लीवलेस, छोटी काली ड्रेस में बेहद स्टाइलिश लग रही हैं, जिसके साथ उन्होंने पारदर्शी हील्स पहनी हैं। अपरेश ने पिस्ता हरे रंग की शर्ट और काले ट्राउजर में कूल लुक अपनाया।

सान्या मल्होत्रा की पहली एक्शन-कॉमेडी, 2025 में धमाका तय

मिसेज के लिए समीक्षकों की प्रशंसा बटोरने के बाद, अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा अब पर्दे पर एक बिल्कुल नए अवतार में नजर आने वाली हैं। स्पोर्ट्स ड्रामा और पारिवारिक मनोरंजन से दर्शकों का दिल जीतने के बाद, इस बार वह एक बिल्कुल नए किरदार में नजर आएंगी। वह 2025 में रिलीज होने वाली एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म में अभिनय करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

11 जुलाई को फिल्म की मुख्य टीम के साथ पोज देते हुए अभिनेत्री ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली, सान्या का एक्शन-कॉमेडी शैली में कदम हास्य, धैर्य और सिनेमाई दमखम का एक ताजा मिश्रण पेश करता है।

ट्रेड एनालिस्ट और बिजनेस एक्सपर्ट तरण आदर्श ने अपने इंस्टाग्राम पर यह खुशखबरी शेयर की और लिखा, सान्या मल्होत्रा एक्शन-कॉमेडी एंटरटेनर में नजर आएंगी। प्रोजेक्ट्स के वितरण और वित्तपोषण के अलावा, सआगाजएंटरटेनमेंट ससान्यामल्होत्रा द्वारा निर्देशित एक अनटाइटल्ड एक्शन-कॉमेडी के साथ 2025 में अपनी शुरुआत कर रहा है। आगाज एंटरटेनमेंट पी लिमिटेड द्वारा निर्मित, यह फिल्म सकपिलशर्मा द्वारा निर्देशित और नीरज तिवारी और मुकेशगुप्ता द्वारा निर्मित है। अपनी उत्सुकता को साझा करते हुए, सान्या ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक भावुक कैप्शन के साथ पोस्ट को फिर से शेयर किया, जिसमें लिखा था, आप लोगों के साथ इसे साझा करते हुए खुशी हो रही है। सिनेमाघरों में मिलते हैं!

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने 30 की उम्र के बाद शादी पर तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने अपने विचार साझा किए हैं कि महिलाओं और विवाह के बारे में समाज का नजरिया - विशेष रूप से 30 वर्ष की आयु के बाद - धीरे-धीरे कैसे बदल रहा है। उन्होंने स्वीकार किया कि यद्यपि कुछ हद तक वर्जनाएं अभी भी मौजूद हैं, लेकिन आज की दुनिया में व्यक्तिगत विकल्पों और बदलते रिश्तों की गतिशीलता को स्वीकार किया जा रहा है।

इस वर्जना के बारे में बोलते हुए फातिमा ने स्वीकार किया कि हालांकि लोग अभी भी एक निश्चित उम्र के बाद अविवाहित महिलाओं के बारे में बात करते हैं, लेकिन दबाव उतना तीव्र नहीं है जितना पहले था।

'दंगल' अभिनेत्री ने यह भी कहा कि पहले एक निश्चित उम्र तक शादी कर लेने की अपेक्षा अधिक होती थी। हालाँकि, बदलते समय के साथ रिश्तों के मायने भी बदल गए हैं। आज अधिकतर लोग स्वयं पर, अपने करियर पर ध्यान केन्द्रित करने का चुनाव कर रहे हैं, या फिर अकेले रहने का विकल्प अपना रहे हैं - और समाज धीरे-धीरे इसे स्वीकार करना सीख रहा है। ऐसा होता है, लेकिन मुझे लगता है अब कम होता है। पहले, यह ज्यादा होता था। अब रिश्ते बदल गए हैं; रिश्तों के मायने बदल गए हैं। ज्यादातर लोग अकेले रहना पसंद करते हैं, या वे अलग-अलग चीजों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसलिए, समाज इसे स्वीकार कर रहा है। मुझे नहीं पता कि यह सही है या गलत, लेकिन मुझे लगता है कि अब यह वर्जना थोड़ी कम हो गई है।

फातिमा सना शेख ने भी अपने पहले प्यार के अनुभव के बारे में बताया और अपनी जवानी के दिनों की एक मीठी और पुरानी याद साझा की। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी किताबों में फूल रखे हैं या ऐसे रोमांटिक भाव अनुभव किए हैं, तो अभिनेत्री ने मुस्कुराते हुए पुष्टि की, 100 प्रतिशत। उन्हें अपने तत्कालीन साथी द्वारा आयोजित जन्मदिन के सरप्राइज की याद आई, जिसमें उन्होंने दरवाजे से कमरे तक के रास्ते को फूलों से सजाया था। उन्होंने याद करते हुए कहा, हर जगह फूल थे और केक के चारों ओर मोमबत्तियाँ जल रही थीं। हालाँकि, यह आश्चर्य योजना के अनुसार नहीं हुआ।

जब तक वह पहुंची, अधिकांश मोमबत्तियाँ पिघल चुकी थीं। उन्होंने हंसते हुए कहा, हमें बाद में यह सब साफ करना पड़ा। उस क्षण को याद करते हुए फातिमा ने कहा कि यह एक विशेष प्रकार का प्रेम था - सरल और सच्चा। मैं बहुत छोटी थी और उस समय मेरे पास फेसबुक या इंस्टाग्राम भी नहीं था। काम की बात करें तो फातिमा हाल ही में आर. माधवन के साथ रोमांटिक कॉमेडी आप जैसा कोई में नजर आईं। विवेक सोनी द्वारा निर्देशित यह फिल्म 11 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर हुई।

गिटार सीखने जा रहे हैं? ये 5 जरूरी बातें आपके लिए हो सकती हैं उपयोगी

गिटार एक बहुत ही लोकप्रिय संगीत वाद्य यंत्र है, जिसे सीखना एक रोमांचक अनुभव हो सकता है। हालांकि, शुरुआत में कुछ चुनौतियां आती हैं, जिन्हें पार करके आप इसे बजाने में माहिर हो सकते हैं। इस लेख में हम आपको गिटार सीखने के लिए जरूरी 5 बातें बताएंगे, जो आपकी यात्रा को आसान और मजेदार बनाएंगी। सही गिटार का चयन कैसे करें से लेकर नियमित अभ्यास तक, ये सुझाव आपका सही दिशा में मार्गदर्शन करेंगे।

सही गिटार का चयन करें

गिटार खरीदते समय सबसे पहले आपको सही प्रकार का चयन करना चाहिए। अगर आप शुरुआत कर रहे हैं तो एक साधारण और किफायती गिटार चुनें। आमतौर पर लकड़ी का बना गिटार अच्छा विकल्प हो सकता है, क्योंकि यह ध्वनि को बेहतर बनाता है। इसके अलावा, प्लास्टिक या बिजली से चलने वाला गिटार भी सही विकल्प हो सकते हैं। हालांकि, शुरुआत के लिए लकड़ी का गिटार सबसे अच्छा रहता है, क्योंकि यह आसानी से संभाला जा सकता है।

तारों की सही सेटिंग करें

गिटार की तारों की सेटिंग बहुत जरूरी होती है। शुरुआती दौर में अक्सर लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन सही सेटिंग से ही आपका गिटार अच्छी ध्वनि उत्पन्न करेगा। अगर आपने नया गिटार खरीदा है तो हो सकता है कि उसकी तार पहले से ही सही सेट हों। हालांकि, अगर नहीं है तो किसी जानकार की मदद लेकर सभी तारों को सही स्केल पर सेट करवा लें, ताकि बेसुरी ध्वनि न पैदा हो।

उंगलियों की स्थिति पर ध्यान दें

गिटार बजाने के लिए उंगलियों की स्थिति बहुत अहम होती है। सही तरीके से उंगलियों को गिटार पर रखने से न केवल आपका अभ्यास आसान होगा, बल्कि ध्वनि भी बेहतर निकलेगी। शुरुआत में थोड़ी मुश्किल हो सकती है, लेकिन नियमित अभ्यास से आप इसमें माहिर हो जाएंगे। इसके लिए गिटार के विभिन्न धुनों और सुरों को जानना जरूरी है, ताकि आप सही तरीके से उंगलियों को रख सकें और गिटार बजाने में कोई दिक्कत न हो।

नियमित अभ्यास करें

गिटार सीखने के लिए नियमित अभ्यास बहुत जरूरी है। रोजाना थोड़ी देर के लिए ही सही, लेकिन गिटार जरूर बजाएं। इससे आपकी उंगलियों की मांसपेशियां मजबूत होंगी और आपको अलग-अलग धुनें बनाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, नियमित अभ्यास से आपकी प्रतिभा भी बेहतर होगी और आप जल्दी ही गिटार बजाने में माहिर हो जाएंगे। शुरुआत में थोड़ा मुश्किल हो सकता है, लेकिन नियमितता से आप इसे आसान बना सकते हैं और अपने कौशल में सुधार ला सकते हैं।

ऑनलाइन मार्गदर्शन का उपयोग करें

आजकल इंटरनेट पर कई वीडियो उपलब्ध हैं, जो गिटार सीखने में बहुत मददगार साबित हो सकते हैं। वीडियो चैनलों या वेबसाइटों पर आपको कई वीडियो मिलेंगे, जिनसे आप अलग-अलग तकनीकों को सीख सकते हैं। इन मार्गदर्शनों की मदद से आप अपने समय अनुसार अभ्यास कर सकते हैं और अपने कौशल को बेहतर बना सकते हैं। इन 5 बातों का पालन करके आप आसानी से गिटार बजाना सीख सकते हैं और संगीत की इस दुनिया का आनंद ले सकते हैं।

लंबे बालों को उलझन से बचाने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके, नहीं होगी परेशानी

लंबे बालों की खूबसूरती को बनाए रखना एक चुनौतीपूर्ण काम हो सकता है, खासकर जब बात उलझनों की आती है। उलझे बाल न सिर्फ देखने में खराब लगते हैं बल्कि उन्हें सुलझाने की कोशिश में बालों को भी नुकसान पहुंच सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने लंबे बालों को उलझने से बचा सकते हैं और उन्हें स्वस्थ रख सकते हैं।

चौड़े दांतों वाली कंघी का करें इस्तेमाल

बालों की उलझनों को कम करने के लिए चौड़े दांतों वाली कंघी का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा तरीका है। पतली कंघी से बालों को सुलझाने पर वे टूट सकते हैं और कमजोर हो सकते हैं। इसलिए हमेशा चौड़ी कंघी का ही उपयोग करें। इससे बाल आसानी से सुलझ जाते हैं और उन्हें नुकसान भी नहीं होता है। इसके अलावा यह कंघी आपके बालों की प्राकृतिक चमक को भी बनाए रखती है, जिससे आपके बाल स्वस्थ और खूबसूरत दिखते हैं।

डीप-इन कंडीशनर लगाएं

बालों की उलझनों को कम करने के लिए डीप-इन कंडीशनर का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। शैंपू करने के बाद बालों पर हल्का डीप-इन कंडीशनर लगाएं और कुछ मिनट तक छोड़ दें, फिर पानी से धो लें। इससे बाल नरम और मुलायम हो जाते हैं, जिससे उनकी उलझनें अपने आप ही कम हो जाती हैं। इसके अलावा यह बालों की नमी को बनाए रखता है, जिससे वे स्वस्थ दिखते हैं और आसानी से कंघी से सुलझ जाते हैं।

रात को चोटी बनाएं

रात को सोने से पहले बालों की चोटी बनाना एक अच्छा तरीका हो सकता है, जिससे वे उलझते नहीं हैं। चोटी बनाने से बाल एक जगह पर बंधे रहते हैं और उनकी उलझनें कम होती हैं। इसके अलावा चोटी बनाने से बालों की जड़ों को भी आराम मिलता है और वे टूटने से बचते हैं। यह तरीका बालों को सुरक्षित रखने के साथ-साथ उन्हें स्वस्थ भी बनाए रखता है।

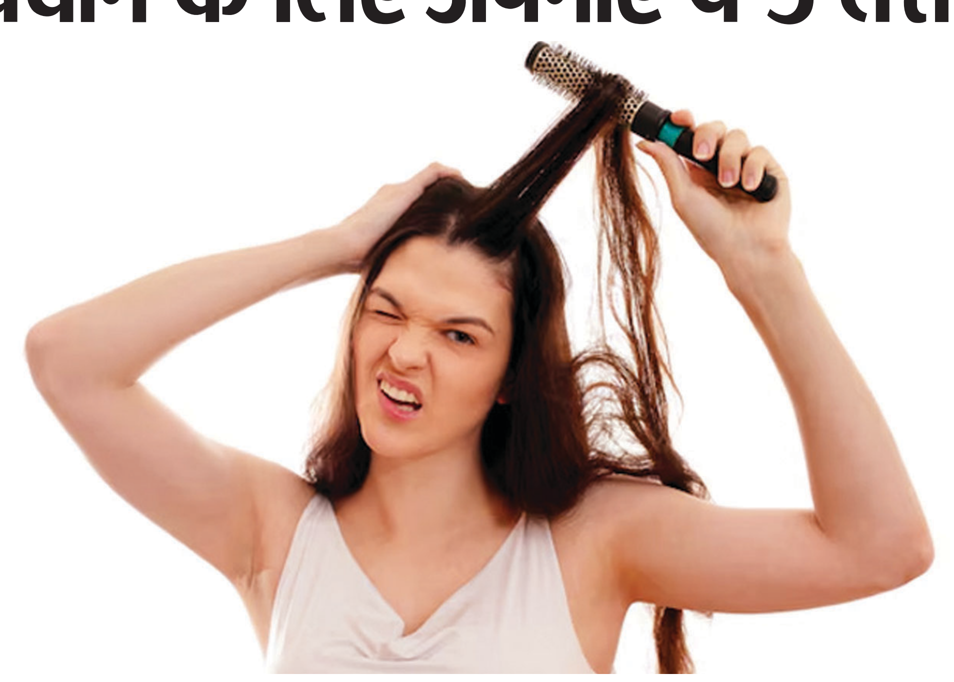

उलझन सुलझाने वाला स्प्रे का उपयोग करें

उलझन सुलझाने वाला स्प्रे बालों की उलझनों को कम करने में मदद करता है। यह स्प्रे खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है, जिनके बाल लंबे और घुंघराले होते हैं। इस स्प्रे को लगाने से बाल नरम हो जाते हैं और उन्हें सुलझाना आसान हो जाता है। इसके अलावा यह स्प्रे बालों को नमी भी प्रदान करता है, जिससे वे टूटने से बचते हैं और स्वस्थ दिखते हैं। नियमित उपयोग से बालों की चमक भी बढ़ती है।

उंगलियों से पहले सुलझाएं

बालों को सुलझाने के लिए उंगलियों का उपयोग करना बहुत फायदेमंद हो सकता है। जब आपके बाल गीले हों तो धीरे-धीरे उंगलियों से उलझनों को सुलझाएं। इससे बाल टूटेंगे नहीं और उनकी नमी भी बनी रहेगी। इन तरीकों को अपनाकर आप अपने लंबे बालों को उलझनों से बचा सकते हैं और उन्हें स्वस्थ रख सकते हैं। इन टिप्स को अपनाने पर आपके बाल मजबूत, मुलायम और खूबसूरत दिखेंगे।

परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2025 में रायगढ़ जिला बना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला जिला

तीसरी, छठवीं और नवमीं सभी कक्षाओं में राष्ट्रीय औसत से बेहतर परिणाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा हर चार वर्ष में आयोजित होने वाले परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2025 में रायगढ़ जिले ने राज्य ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी उत्कृष्टता साबित की है। दिसंबर 2024 में आयोजित इस सर्वेक्षण में रायगढ़ जिले के 91 स्कूलों के 325 शिक्षक और 2728 विद्यार्थी शामिल हुए थे।

जिले के छात्रों ने कक्षा तीसरी, छठवीं और नवमीं तीनों स्तरों पर सभी विषयों में राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन करते हुए जिले को 'उदित' श्रेणी में शामिल कराया है। इस सर्वेक्षण में शासकीय, मान्यता प्राप्त अशासकीय तथा अनुदान प्राप्त विद्यालयों के विद्यार्थियों को बहुविकल्पीय प्रश्नों के माध्यम से आंका गया। रायगढ़ जिले में यह अभियान कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी और सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में संचालित किया गया, जिसका परिणाम सभी स्तरों पर अत्यंत सराहनीय रहा।

कक्षा तीसरी में भाषा विषय में रायगढ़ का औसत 70 प्रतिशत रहा, जो राष्ट्रीय औसत 64 प्रतिशत और राज्य औसत 59 प्रतिशत से कहीं अधिक है। गणित में भी रायगढ़ ने 68 प्रतिशत अंक हासिल किए, जबकि राष्ट्रीय औसत 60 और राज्य औसत 57 प्रतिशत रहा। कक्षा छठवीं में भाषा में 64 प्रतिशत, गणित में 56 प्रतिशत और 'आस-पास की दुनिया' विषय में 59 प्रतिशत के साथ रायगढ़ ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं कक्षा नवमीं में भाषा विषय में 60 प्रतिशत, गणित में 39 प्रतिशत, विज्ञान में 43 प्रतिशत और सामाजिक विज्ञान में भी 43 प्रतिशत के साथ जिले ने राष्ट्रीय औसत से बेहतर परिणाम दर्ज किए।

इन आंकड़ों के आधार पर रायगढ़ को परख सर्वेक्षण की चार स्तरीय श्रेणी में 'उदित वर्ग में स्थान मिला है। यह श्रेणी केवल उन जिलों को प्रदान की जाती है, जिन्होंने तीनों कक्षाओं में राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन किया हो। रायगढ़ के साथ तीसरी कक्षा में बालोद, बलरामपुर, बीजापुर, जशपुर, कोरिया, सूरजपुर और सरगुजा, छठवीं में बलरामपुर, बस्तर, बीजापुर और सरगुजा तथा नवमीं में बस्तर, बीजापुर, बिलासपुर, धमतरी और दुर्ग जिले भी इस श्रेणी में शामिल किए गए हैं।

परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण के निष्कर्षों से यह भी सामने आया है कि रायगढ़ जिले में ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों का परिणाम शहरी क्षेत्रों से बेहतर रहा। इसके अलावा, बालिकाओं का प्रदर्शन भी बालकों की तुलना में तीनों कक्षाओं में अधिक बेहतर रहा है, जो जिले में शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक सामाजिक बदलाव का संकेत है।

जनजातियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे हरसंभव प्रयासः मंत्री रामविचार नेताम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति मंत्री रामविचार नेताम जिला धमतरी, विकासखंड सिहावा के ग्राम साकरा पहुंचे। ग्रामीणों ने इस मौके पर मंत्री नेताम का पारंपरिक एवं आत्मीय स्वागत किया। मंत्री नेताम ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा 'मोदी की गारंटी' के अंतर्गत संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि सरकार की ये योजनाएं धरातल पर उतरकर प्रत्येक जरूरतमंद तक पहुँचे और उनका समग्र विकास सुनिश्चित हो यह हर संभव प्रयास किया जा रहा है। मंत्री नेताम ने इस दौरान प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत कमार जनजाति समुदाय के लिए बनाए जा रहे आवासों का निरीक्षण किया।

मंत्री श्री नेताम ने कमार जनजाति के बीच पहुंचकर राशन, बिजली, पानी सहित शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, आवास जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को लेकर चर्चा की।

इस मौके पर धमतरी जिला पंचायत के अध्यक्ष अरुण सार्वा एवं सिहावा क्षेत्र की पूर्व विधायक पिंकी ध्रुव उपस्थित थी।

स्वस्थ समाज ही समृद्ध समाज की नींव - संजय पाण्डेय

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। मच्छरदानी वितरण प्रदेश सरकार की महति योजना है। इसका उद्देश्य सिर्फ मच्छरदानी का वितरण किया जाना नहीं है बल्कि स्वास्थ्य के प्रति सुरक्षा व जागरुकता है। मच्छर के काटने से मलेरिया, डेंगू जैसी गंभीर बीमारियां होती हैं। हमें चाहिए कि हम सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। जिससे कि डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी गंभीर बीमारियों से बचा जा सके।

उपरोक्त विचार रविवार को विजय वार्ड में आयोजित मच्छरदानी वितरण कार्यक्रम में महापौर संजय पाण्डे ने व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि प्रत्येक परिवार में मच्छरदानी का वितरण किया जाना है। गर्भवती महिला, दिव्यांग, छोटे बच्चे, उम्रदराज लोगों को अनिवार्य रूप से प्राथमिकता के आधार पर मच्छरदानी का वितरण किया जा रहा है। रोजाना शहर के अलग अलग वार्डों में चिन्हित स्थान पर कार्यक्रम आयोजित कर जनप्रतिनिधियों के माध्यम से मच्छरदानी का वितरण किया जा रहा है। संजय पाण्डे ने कहा कि मच्छर के काटने से मलेरिया, डेंगू जैसी गंभीर बीमारियां फैलती हैं। मच्छरदानी के उपयोग से एक बड़ा फायदा यह है कि कॉइल से निकलने वाले हानिकारक धुएं से बचा जा सकता है। मच्छरदानी एक सस्ती, सुरक्षित और प्रभावी चीज है जो हमें मच्छरों से बचाती है। हमें अधिक से अधिक मच्छरदानी का उपयोग करना चाहिए ताकि हम स्वस्थ और सुरक्षित रह सकें। वार्ड पार्षद गौतम पाणिग्रही ने कहा कि महापौर संजय पाण्डेय दलगत राजनीति से ऊपर उठकर काम कर रहे हैं। प्रत्येक वार्ड में जाकर वे स्वयं मच्छरदानी वितरण कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। इस बात से ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे शहर के विकास के लिए कितने सजग हैं। स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम टीम के साथ तालमेल बनाकर काम कर रहा है। जनप्रतिनिधि सेवा भाव से काम कर रहे हैं। हमारा स्वास्थ्य ही हमारा सबसे बड़ा धन है। स्वस्थ जीवन जीने के लिए स्वच्छता और सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है। गंभीर बीमारी से बचाव के लिए मच्छरदानी एक सशक्त और सरल उपाय है। यह बिना किसी साइड इफेक्ट के स्वास्थ्य की रक्षा करता है। पूर्व पार्षद भारती श्रीवास्तव, कुंवर अजय सिंह, राम भरोसे यादव, प्रताप सिंह, शिवा, मितानिन कुमारी ठाकुर, लक्ष्मी ठाकुर, रिंकु दुबे, विवेक जैन सहित वार्ड के लोग मौजूद रहे।

सावन महोत्सवः रस्सी कूद में प्रियंका, गेड़ी में अनीता, टायर गेम में कौशल्या बनीं स्टार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सांस्कृतिक विवेकानंद उत्कर्ष परिषद द्वारा आयोजित 11वां सावन के मड़ई 2025 राजधानी के अभिनंदन पैलेस में पूरे पारंपरिक उत्साह, सांस्कृतिक रंगों और जनभागीदारी के साथ सफलतापूर्वक हुआ।

यह महोत्सव छत्तीसगढ़ी परंपरा और उत्सवधर्मिता का एक जीवंत उदाहरण रहा, जिसमें बड़ी संख्या में शहरवासियों की सहभागिता देखी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ परिषद की अध्यक्ष दीप्ति दुबे के प्रेरक स्वागत भाषण से हुआ। इसके पश्चात नीलिमा शर्मा और मोनिका मिश्रा द्वारा अतिथियों को मेमेंटो प्रदान कर उनका अभिनंदन किया गया। खेल आयोजनों का संचालन गुंजन शर्मा एवं नेहा शर्मा के कुशल नेतृत्व में हुआ।

मंच से आरजे अनिमेष ने मानसिक स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील और प्रासंगिक विषय पर एक संक्षिप्त लेकिन सारगर्भित वक्तव्य दिया। वहीं सावन क्वीन प्रतियोगिता की निर्णायक के रूप में अंकिता शर्मा ने अपनी भूमिका निभाई। अंत में, परिषद के सचिव सौरभ तिवारी ने सभी आगंतुकों और सहभागियों का आभार प्रकट किया।

खेल के विजेता इस प्रकार रही: रस्सी कूद प्रतियोगिता: प्रियंका तिवारी,जे. पदमा,गिल्ली डंडा: ज्योति शुक्ला, लता साहू,गेड़ी दौड़: अनीता देवांगन, अनिमेष शुक्ला,टायर दौड़ प्रतियोगिता: कौशल्या, चम्मच दौड़: सपना शर्मा, नीलिमा मिश्रा।

इस आयोजन को सफल बनाने मे परिषद के सक्रिय सदस्यों—दीप्ति दुबे, नीलिमा शर्मा, मोनिक मिश्रा, गुंजन शर्मा, सुभाष तिवारी, सौरभ तिवारी, शैलेन्द्र दुबे, आर्य दुबे, आरजे अनिमेष, सागर, मनीष तिवारी, जिनेन्द्र, माया दीवान और सुषमा शुक्ला—का विशेष योगदान रहा।

जहां अवसर और विश्वास हो, वहां कोई कमी बाधा नहीं बनती - उपमुख्यमंत्री शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। विधायक कार्यालय कवर्धा में एक प्रेरणास्पद दृश्य देखने को मिला, जब उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा से ग्राम सरेखा निवासी दिव्यांग छात्र केशराम साहू ने सौजन्य मुलाकात की।

यह मुलाकात केवल शिष्टाचार नहीं थी, बल्कि उस आभार की अभिव्यक्ति थी, जिसे एक संघर्षरत छात्र ने अपने जीवन में शिक्षा के माध्यम से नया मोड़ देने वाले नेता के प्रति महसूस किया। केशराम साहू, जो जन्म से ही श्रवण और वाणी बाधित हैं, ने विपरीत परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी। ग्राम सरेखा निवासी दीपचंद साहू के पुत्र केशराम की प्रारंभिक शिक्षा ग्राम सिंघनपुरी में हुई। इसके बाद, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन और विशेष प्रयासों से रायपुर में महाविद्यालय में उनका दाखिला सुनिश्चित किया गया, जहाँ उन्होंने आगे की पढ़ाई पूरी की।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के निरंतर सहयोग और लगातार मेहनत, आत्मविश्वास से केशराम ने हाल ही में डी.एड. (डिप्लोमा इन एजुकेशन) की परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर एक मिसाल कायम की है। यह केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि पूरे जिले और प्रदेश के लिए प्रेरणा है कि समर्पण और सही मार्गदर्शन से हर चुनौती को पार किया जा सकता है।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने केशराम को गले लगाकर बधाई दी और कहा कि केशराम की सफलता हम सबके लिए एक संदेश है कि अगर अवसर मिले और विश्वास बना रहे, तो कोई भी कमी जीवन की बाधा नहीं बन सकती।

स्वच्छता अभियानः डिप्टी सीएम शर्मा और नपा अध्यक्ष ने किया श्रमदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कवर्धा नगर पालिका क्षेत्र के दर्री तालाब में रविवार सुबह का नजारा कुछ अलग था। हाथों में फावड़ा, टोकनी और झाड़ू लिए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा खुद सफाई के मैदान में उतरे और देखते ही देखते पूरा तालाब परिसर स्वच्छता के जनसैलाब से भर गया। यह सिर्फ सफाई नहीं, जनभागीदारी की एक मिसाल थी।

जैसे ही उपमुख्यमंत्री शर्मा और नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी सफाई के लिए पहुंचे, वहां मौजूद लोगों में नया जोश दौड़ गया। वार्डवासियों, पार्षदों, सामाजिक संगठनों, स्कूली बच्चों और महिलाओं ने एकजुट होकर तालाब की सफाई की। कुछ ने जलकुंभी हटाई, कुछ घाट की सफाई में लग गए और कुछ ने परिसर की सफाई की जिम्मेदारी संभाली।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा: स्वच्छता केवल कार्यक्रम नहीं, एक जनआंदोलन है। जब आम नागरिक, जनप्रतिनिधि और प्रशासन साथ मिलें, तभी शहर सुंदर और स्वच्छ बनता है। कवर्धा की यह भागीदारी पूरे प्रदेश के लिए उदाहरण है।

पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि कवर्धा नगर पालिका 'स्वच्छ, सुंदर और विकसित कवर्धा' के लक्ष्य को लेकर कार्य कर रही है और इसमें जनता का सहयोग हमारा सबसे बड़ा संबल है।

कौन-कौन हुए शामिल

स्वच्छता अभियान में नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न स्व-सहायता समूह, युवा संगठन, शैक्षणिक संस्थान, स्कूल के बच्चे, समाजसेवी संगठनों के सदस्य और स्थानीय नागरिक उत्साहपूर्वक शामिल हुए। तालाब की सफाई के बाद पूरे क्षेत्र में एक नया संदेश गया हम सब मिलकर ही बदलाव ला सकते हैं। उपमुख्यमंत्री के नेतृत्व में हुए इस श्रमदान ने यह साबित कर दिया कि स्वच्छता सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं, हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। जनसहभागिता से ही बदलेगा शहर, नारा हुआ बुलंद: मेरा वार्ड, मेरी जिम्मेदारी।

छत्तीसगढ़ में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं

अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चौंपियनशिप में सुखदेव ने जीता स्वर्ण पदक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की प्रतिभाएं आज विभिन्न खेलों के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राज्य को गौरवान्वित कर रही हैं। राज्य शासन द्वारा खिलाड़ियों को खेल प्रशिक्षण, आधारभूत संरचना तथा प्रोत्साहन राशि सहित आवश्यक संसाधन प्रदान कर हर संभव सहयोग सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे प्रदेश के प्रतिभावान खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन देश एवं विदेश में कर सकें।

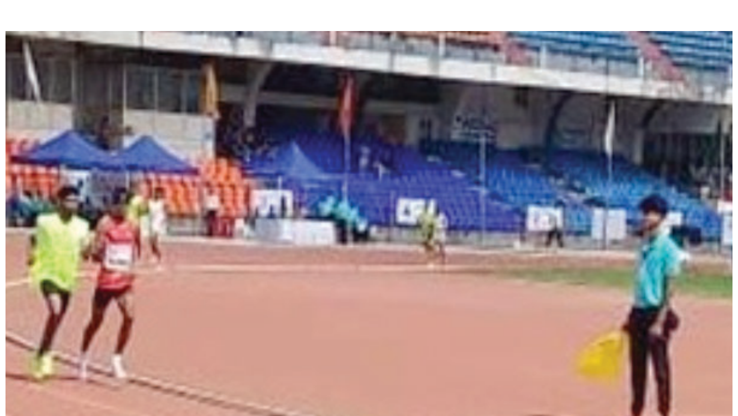

महासमुंद जिले के लिए खेल जगत से एक और गर्व की खबर आई है। फॉर्चून फाउंडेशन समाजसेवी संस्था द्वारा संचालित फॉर्चून नेत्रहीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करमापटपर, बागबाहरा खुर्द के पूर्व छात्र सुखदेव ने 7वीं ओपन पैरा एथलेटिक्स इंटरनेशनल चौंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतकर पूरे छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। कांतिराव एथलेटिक्स स्टेडियम, बेंगलुरु (कर्नाटक) में 11 से 12 जुलाई तक आयोजित इस चौंपियनशिप में सुखदेव ने 1500 मीटर दौड़ को महज 4.36 मिनट में पूरा कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

गौरतलब है कि नेत्रहीन सुखदेव ने फॉर्चून फाउंडेशन करमापटपर, बागबाहरा खुर्द में रहकर प्रशिक्षक निरंजन साहू के मार्गदर्शन में निरंतर अभ्यास करते हुए यह बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वर्तमान में सुखदेव भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) बेंगलुरु में नियमित अभ्यास कर रहे हैं। इससे पहले भी सुखदेव खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025, नई दिल्ली में 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक तथा 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चौंपियनशिप चेन्नई में भी 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। सुखदेव जैसे होनहार पैरा खिलाड़ी प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार खेल एवं खिलाड़ियों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और विशेष रूप से दिव्यांग खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के हर खिलाड़ी को उचित मंच और अवसर मिले, ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर सकें। सुखदेव की इस उपलब्धि पर महासमुंद कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, सीईओ जिला पंचायत श्री एस. आलोक, उप संचालक समाज कल्याण संगीता सिंह, खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी मनोज धृतलहरे, जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरे सहित प्रशिक्षक निरंजन साहू एवं पैरा स्पोर्ट्स संघ के पदाधिकारियों ने भी उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सुखदेव की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि अगर लगन और मेहनत सच्ची हो तो कोई भी चुनौती बड़ी नहीं होती और छत्तीसगढ़ की मिट्टी में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। यह उपलब्धि निःसंदेह जिले के अन्य दिव्यांग खिलाड़ियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित करेगी।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की पहल पर ग्राम केनाडांड़ में बदला गया ट्रांसफार्मर

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की पहल पर ग्राम केनाडांड़ में विद्युत आपूर्ति पुनः प्रारंभ हो गई है। ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण बिजली संकट से जूझ रहे ग्रामीणों को इससे बड़ी राहत मिली है। विद्युत आपूर्ति पुनः बहाल होने पर ग्रामवासियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

उल्लेखनीय है कि विकासखंड कांसाबेल के ग्राम केनाडांड़ के ग्रामीणों ने कैंप कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि ट्रांसफार्मर खराब होने की वजह से बिजली की आपूर्ति बाधित है। उनका गांव हाथी विचरण क्षेत्र में भी आता है। इस वजह से उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

PWD की सब इंजीनियर भर्ती परीक्षा में हाईटेक नकल, एग्जाम सेंटर के बाहर से वॉकीटॉकी में आन्सर बता रही थी बहन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ में PWD की सब इंजीनियर भर्ती परीक्षा में हाईटेक नकल का मामला सामने आया है। बिलासपुर में एक एग्जाम सेंटर के बाहर से एक युवती अपनी बहन को वायरलेस डिवाइस की मदद से आंसर बता रही थी। एक्जाम सेंटर के अंदर अभ्यर्थी छात्रा ने हिडन कैमरा रखा था जिसकी मदद से वह पेपर अपनी बहन को भेज रही थी। एनएसयुआई ने रंगे हाथों पकड़ा और इसके बाद व्यापमं ने इस पर बड़ा एक्शन लिया है। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक रविवार को रामदुलारे शासकीय स्वामी आत्मानंद स्कूल में एग्जाम सेंटर के अंदर एक अभ्यर्थी एग्जाम दे रही थी। वह अपने अंडरगार्मेंट्स में स्पाई कैमरा छिपाकर ले गई थी। प्रश्न पत्र को स्कैन कर अपनी बहन को भेज रही थी। वहीं बाहर बैठी

व्यापमं ने दर्ज कराया एफ आईआर, कहा- यह योग्य उम्मीदवारों के साथ धोखा

बहन वॉकी-टॉकी की मदद से उत्तर बता रही थी। मामले का भंडाफोड़ होने के बाद नकल का प्रकरण बनाकर छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मंडल द्वारा युवतियों के खिलाफ FIR दर्ज कराई गई है।

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल, रायपुर द्वारा आयोजित उप अभियंता (सिविल) एवं उप अभियंता (विद्युतब यांत्रिकी भर्ती परीक्षा के अंतर्गत परीक्षा केन्द्र क्रमांक 1309 शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सरकंडा, बिलासपुर में चल रहा था। कक्ष क्रमांक 07 में परीक्षार्थी रोल नंबर 13091014 अन्नु सूर्या, पिता - कलेश्वर राम द्वारा संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली। इसके बाद परीक्षा कक्ष में तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उक्त परीक्षार्थी के अंत:वस्त्र में हिडन कैमरा व कान से माइक्रो स्पीकर जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण छिपाकर रखे गए पाए गए, जिन्हें तत्काल जब्त किया गया।

परीक्षा केन्द्र परिसर के बाहर नकल में सहायता करने के लिए उपस्थित अनुराधा बाई के पास से वॉकी-टॉकी, टैबलेट, ब्लूटूथ डिवाइस और मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। यह स्पष्ट रूप से एक संगठित इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से नकल करने का प्रयास था। प्रशासन द्वारा नियमानुसार तत्काल नकल प्रकरण तैयार कर छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) को प्रेषित कर दिया गया है। साथ ही, थाना सरकंडा पुलिस को सूचित कर एफ्आईआर दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। संबंधित व्यक्तियों पर उचित कानूनी कार्यवाही की जा रही है। व्यावसायिक परीक्षा मंडल एवं जिला प्रशासन द्वारा इस पूरे प्रकरण को अत्यंत गंभीरता से लिया गया है। परीक्षा की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु ऐसी घटनाओं पर "जीरो टॉलरेंस नीति" अपनाई गई है। भविष्य में भी किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधियों पर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

खास खबर

मांड नदी में मिली युवक की लाश

रायगढ़। एक युवक की लाश मांड नदी में मिली है। लाश औंधे मुंह पानी में पड़ा हुआ था। जिसे देखकर ग्रामीणों ने इसकी सूचना थाना में दी। मामला कोतरा रोड थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक रविवार को कोतरा रोड पुलिस को सूचना मिली कि बायंट-टायंग के पास मांड नदी में एक युवक का शव पानी में पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच करते हुए उसे पानी से बाहर निकाला गया। जहां ग्रामीणों से उसके बारे में पूछताछ करने पर उसका कुछ पता नहीं चल सका।

ऐसे में पुलिस ने मृतक की शिनाख्त शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि उसके माथे के पास पुराना चोट का निशान है और अभी शरीर में नया कोई चोट नहीं है। कोतरा रोड पुलिस ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजवाया जा रहा है। पीएम रिपोर्ट के बाद ही युवक की मौत के कारणों का पता चल सकेगा। मृतक के शिनाख्त के लिए आसपास गांव के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में लिया है।

प्रिंसिपल ने छात्रा को स्कूल से निकाला, घर आकर फंदे में झूली

रायपुर। छात्रा ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्रा रायपुरा आरडीए कॉलोनी में रहती थी। बताया जा रहा है कि छात्रा को स्कूल के प्रिंसिपल ने किसी बात को लेकर फटकार लगाई थी। प्रिंसिपल की डाट खाने के बाद से ही छात्रा गुमशुम रहने लगी। स्कूल की छुट्टी होने के बाद घर पहुंची और अपने कमरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतिका छात्रा का नाम यामिनी ध्रुव था। छात्रा पंडित गिरजाशंकर मिश्रा स्कूल में पढ़ाई कर रही थी। बताया जा रहा है कि छात्रा को किसी बात को लेकर प्रिंसिपल ने जमकर फटकार लगाई थी। साथ ही छात्रा को टीसी थमा दी गई थी। इस बात से दुखी छात्रा अपने घर पहुंची और कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवती की मौत की खबर परिजनों ने पुलिस को दी। मामले में पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, इस घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

नशा मुक्ति की आड़ में धर्मांतरण

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर में एक बार फिर प्रार्थना सभा के नाम पर धर्मांतरण कराने के खेल का भंड़ाफोड़ हुआ है। हिंदू संगठनों को जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर इसका खुलासा किया और पुलिस की टीम को सूचना दी। पुलिस ने मौके से कुछ लोगों को हिरासत में लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार पूरा मामला सकरी थाना क्षेत्र के भरनी गांव का है। यहां एक प्रार्थना सभा आयोजित की गई थी। आयोजकों का दावा था कि प्रार्थना से नशा मुक्ति हो जाएगी। बड़ी संख्या में लोग इसमें शामिल हुए थे। लेकिन वहां धर्मांतरण का कराया जा रहा था। हिंदू संगठनों को जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर इसका खुलासा किया और पुलिस की टीम को सूचना दी। पुलिस ने मौके से कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। सभी के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

मुरुम खदान में डूबा बुजुर्ग

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में अवैध मुरुम खदान में 60 वर्षीय बुजुर्ग दुर्गा प्रसाद देवांगन की डूबने की आशंका है। वह घर से नहाने निकला था। कपड़ा-चश्मा देख परिजनों ने मामले की जानकारी पुलिस-प्रशासन को दी। पिछले 6 घंटे से रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। यह घटना रुद्री थाना क्षेत्र के शकरवारा की है।

चाचा व भतीजों ने मिलकर की नाबालिग की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिले में चाचा-भतीजों ने मिलकर एक नाबालिग लड़के पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिया, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। युवक लहूलुहान हालत में जिला अस्पताल में तड़पता रहा, जहां उसकी मौत हो गई। इधर, घटना से गुस्साए परिजनों ने आरोपियों के मकान पर आग लगा दी। हालांकि, दमकल की मदद से आग को काबू में कर लिया गया। पूरा मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। मरने वाला लड़का जरहाभाठा मिनी बस्ती का रहने वाला सुमित बांधे (16) था। जांच में पता चला कि सुलभ शौचालय में धक्कामुक्की को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस ने आरोपी सूरज भास्कर और उसके 2 नाबालिग भाइयों को गिरफ्तार किया है। जबकि, उनका चाचा छोटू भास्कर मर्डर के बाद से फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

दरअसल, रविवार दोपहर को 2 पक्षों के बीच कहासुनी हो रही थी। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में धक्कामुक्की शुरू हो गई। इस दौरान सुमित बांधे (16) सुलभ के पास खड़ा था। उसी समय एक ही परिवार के 4 सदस्यों ने सुमित को पकड़ लिया। फिर चाकू से हमला कर दिया, जिसमें सुमित बांधे गंभीर रूप से घायल हो गया। वारदात के बाद नाबालिग को फौरन अस्पताल ले जाया गया। इस दौरान खून से लहूलुहान नाबालिग अस्पताल में तड़पता रहा। वीडियो में दिख रहा है कि नाबालिग को कुछ लोग उठा रहे हैं, उसकी सांसें चल रही है। वह अस्पताल में फर्श पर पड़ा है। कुछ समय बाद डॉक्टर्स ने नाबालिग को मृत घोषित कर दिया।

नंदिनी में संदिग्ध हालत में मिला महिला का शव, हत्या की आशंका

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के नंदिनी थाना क्षेत्र में महिला का शव उसी के घर में संदिग्ध हालत पाया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शुरुआती जांच में महिला की हत्या का अंदेशा जताया गया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद एसएसपी विजय अग्रवाल, दुर्ग सीएसपी अलेक्जेंडर कीरो सहित आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। डॉग स्क्वाड भी सहारा लिया गया। फ्लिहाल नंदिनी पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना नंदिनी थाना में महिला का शव उसके ही घर पर संदिग्ध हालत में मिला। मृतका मी पहचान

घटना स्थल पर एसएसपी विजय अग्रवाल व अन्य अधिकारी

कुंवारीन बाई यादव (45) के रूप में हुई है। वह घर घर जाकर साफ सफाई का काम करती थी और एक माह पहले से ही नंदिनी टाउनशिप के स्टेट बैंक के पीछे झोपड़ी में रह रही थी। रविवार की सुबह आसपास के लोगों ने झोपड़ी में देखा कि महिला मृत पड़ी है और इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना के बाद नंदिनी पुलिस मौके पर पहुंची है प्रारंभिक जांच में हत्या की आशंका जताई गई है। महिला के सिर पर चोट है और कान से भी खून निकल रहा था। इसके बाद डॉग स्क्वॉड और फोरेंसिक की टीम भी पहुंची। एसपी विजय अग्रवाल व सीएसपी दुर्ग अलेक्जेंडर किरो भी मौके का जायज करने पहुंचे थे। शुरुआती जांच के बाद शव को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। वहीं इस पूरे मामले में दुर्ग सीएसपी अलेक्जेंडर किरो ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। आसपास लोगों से पूछताछ की जा रही है और सीसी टीवी फुटेज भी देखे जा रहे हैं। हत्या कैसे हुई इसका खुलासा पीएम रिपोर्ट आने के बाद पता चल पाएगा।

120 किलो गांजा के साथ दो अंर्तराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में गांजा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। जिले की चिल्फी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक राजस्थान पासिंग ट्रक से 120 किलो गांजा जब्त किया है। इस मामले में राजस्थान के दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है, जो ट्रक में विशेष रूप से बनाए गए सीक्रेट चैंबर में गांजे की खेप छिपाकर कोटा ले जा रहे थे।

पुलिस को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर चिल्फी क्षेत्र में राजस्थान पासिंग ट्रक को रोका गया। ट्रक में अकरम खान (37 वर्ष) और पप्पू सिंह (32 वर्ष) सवार थे। जब ट्रक की बारीकी से तलाशी ली गई, तो कैबिन और ट्रॉली के बीच एक गुप्त चैंबर बनाया गया था। जब उसे खोला गया तो 115 पैकेट में रखा गया कुल 120 किलो गांजा बरामद किया गया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने कबूला कि वे ओडिशा से गांजा लेकर राजस्थान के कोटा जा रहे थे। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी अंतरराज्यीय तस्करी गिरोह से जुड़े हुए हैं, जो छत्तीसगढ़ और ओडिशा के

रास्ते गांजा तस्करी का नेटवर्क संचालित करते हैं।

पुलिस ने गांजा, ट्रक और मोबाइल फोन समेत अन्य सामग्री जब्त कर ली है। दोनों तस्करों के खिलाफ NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रही है। कवर्धा पुलिस अधीक्षक ने बताया कि नशे के सौदागरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई चिल्फी थाना प्रभारी और उनकी टीम की मुस्तैदी से संभव हो सकी है। पुलिस अब इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश और कड़ी जांच कर रही है।

गांजा बेचते महिला गिरफ्तार

रायपुर। जिले के गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र में मादक पदार्थ गांजा की तस्करी कर रही एक महिला को पुलिस ने रंगेहाथ पकड़कर 930 ग्राम गांजा जब्त किया है। आरोपी महिला अपने घर में ही गांजा रखकर बिक्री कर रही थी। पुलिस ने NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि खोलीपारा नवापारा की रहने वाली महिला राधिका साहू, पत्नी स्वर्गीय लालचंद साहू (उम्र 38 वर्ष) अपने घर में सफेद प्लास्टिक की बोरी में झिल्ली में पैक गांजा रखकर बिक्री कर रही है। सूचना की पुष्टि के बाद थाना प्रभारी दीपेश जायसवाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल रेड कार्यवाही की और महिला को गांजा के साथ पकड़ा।

पुलिस ने आरोपी महिला के कब्जे से 930 ग्राम गांजा जब्त किया है, जिसकी अनुमानित कीमत ?8,000 बताई जा रही है। महिला के खिलाफ अपराध क्रमांक 257/2025, धारा 20(b) NDPS एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे रायपुर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

बड़े भाई व उसके दो बेटों ने छोटे भाई के परिवार पर किया हमला, भतीजे की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। बलरामपुर जिले के जोकापाठ में जमीन विवाद को लेकर बड़े भाई और उसके दो बेटों ने छोटे भाई के परिवार पर हमला कर दिया और डंडे से मारपीट की। मारपीट में घायल भतीजे की इलाज के दौरान मौत हो गई। मारपीट में मृतक के पिता और मां को भी चोटें आई हैं। पुलिस ने मामले में हत्या का अपराध दर्ज कर पिता और उसके दो बेटों को गिरफ्तार कर लिया है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जोकापाट निवासी मंगरा कोरवा का सगे भाई सोमरा कोरवा के साथ पुस्तैनी जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। 07 जुलाई को मंगरा कोरवा अपनी पत्नी फ्द्दारी और बेटा नवला के साथ खेतों में काम करने गया था। जब तीनों वापस लौटे तो सोमरा कोरवा और उसके दो बेटों फुटू कोरवा और

प्रभेस कोरवा ने जमीन विवाद को लेकर गाली-गलौज करते हुए डंडों से मारपीट की।

मारपीट में मंगरा के कंधे और हाथ, पैरों में चोटें आई। फ्द्दारी और नवला के सिर पर लाठी के वार से चोटें आई। नवला के सिर में गंभीर चोट आने के कारण वह चलने-फ़िरने में भी असमर्थ हो गया। उसका गांव में ही इलाज कराया जा रहा था। 10 जुलाई को नवला कोरवा की मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में नवला कोरवा की मौत सिर पर गंभीर चौट आने के कारण होना बताया गया। मामले में पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस ने मामले में धारा 296, 351(2)ए 115(2), 3(5),103(1) ब्हृस के तहत अपराध दर्ज किया। शंकरगढ़ पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी सोमरा पहाड़ी कोरवा (47 वर्ष) और उसके दोनों बेटों फुटू हाड़ी कोरवा (19 वर्ष) और प्रभेस पहाड़ी कोरवा (28 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर दिया है।

पानी को लेकर बुजुर्ग की हत्या, 4 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। जिले के ग्राम दामापुर में खेत के पानी को लेकर हुए पुराने जमीन विवाद ने खूनी मोड़ ले लिया। विवाद में एक बुजुर्ग की जान चली गई। वारदात को अंजाम देने वाले पांच आरोपियों में से चार को पुलिस ने 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया, वहीं एक अपचारी बालक को बाल न्यायालय में पेश किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार यह घटना 11 जुलाई की सुबह की है, जब ग्राम दामापुर निवासी दरेश महिलांग अपने बेटे अश्वनी के साथ खेत के पानी की जांच करने पहुंचे थे। तभी पहले से घात लगाए बैठे शैलेन्द्र महिलांग, लाभो महिलांग, सूरज महिलांग, किरण महिलांग और एक अपचारी बालक ने उन पर कुदरी जैसे औजार से जानलेवा हमला कर दिया। दरेश गंभीर रूप से घायल हो गए। बेटे अश्वनी ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन उसे भी जान से मारने की धमकी देकर दौड़ाया गया। अश्वनी किसी तरह गांव भागकर पहुंचा और परिजनों को सूचना दी। दरेश को तत्काल जिला अस्पताल लाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एक विशेष टीम का गठन किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवनीत कौर छाबड़ा के मार्गदर्शन और एसडीओपी मयंक तिवारी के नेतृत्व में थाना फास्टरपुर, सिटी कोतवाली और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और खून से सनी मिट्टी समेत अन्य साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने टेक्निकल साक्ष्य और मुखबिर की सूचना के आधार पर 12 जुलाई को शैलेन्द्र महिलांग (45) और लाभो महिलांग (70) को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में उन्होंने जुर्म कबूल किया, जिनकी निशानदेही पर दो कुदरी बरामद की गईं। इसके बाद आगे की कार्रवाई में सूरज महिलांग (22), किरण बाई महिलांग (36) और एक विधि से संघर्षरत बालक को भी हिरासत में लिया गया। थाना फास्टरपुर में अपराध क्रमांक 36/2025, धारा 103(1), 3(5) BNS के तहत मामला दर्ज कर चारों आरोपियों को न्यायिक रिमांड में भेज दिया गया है। वहीं अपचारी बालक को सामाजिक रिपोर्ट के आधार पर बाल न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

जांजगीर-चांपा में चार माह के बच्ची की अपहरण के बाद हत्या!, गड्ढे में मिली लाश, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां चार माह की मासूम बच्ची की हत्या कर दी गई। बच्ची का शव घर के पास गड्ढे में मिला। बच्ची अपने मां के पास सोई हुई थी इस बीच किसी ने उसका अपहरण किया और हत्या के बाद शव को गड्ढे में फेंक दिया। बच्ची का शव मिलने के बाद गांव में सनसनी फैल गई। आनन फानन में पुलिस को सूचना दी गई। फ्लिहाल पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। मामला पामगढ़ थाना क्षेत्र का है।

मृतका मासूम बच्ची की नानी जासु गोस्वामी ने बताया कि उसकी बेटी पूनम गोस्वामी की शादी शहडोल में की थी। वही

उसकी बेटी डिलीवरी के लिए अपने मायके पहुंची थी। 4 माह पहले उसने बेटी को जन्म दिया। रविवार की दोपहर करीबन 1 बजे उसकी मां पूनम ने बच्ची को अपने पास सुलाई हुई थी वहीं तबियत खराब होने पर खुद भी गोली खा कर सो गई। इस दौरान क्या हुआ कुछ पता नहीं चला, जब पूनम सोकर अचानक उठी तो वह अपनी बच्ची को खोजने लगी। उसने अपनी मां को बताया और दोनों ने खोजबीन शुरू की कुछ पता नहीं चला।

घटना की जानकारी पामगढ़ पुलिस को मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की गई इस दौरान आस पास तलाश करने पर घर के पीछे गड्ढे में पानी में तैरता हुआ शव बरामद किया है। इसके बाद फोरेंसिक टीम को बुलाया गया है। आशंका जताई जा रही है कि बच्ची का अपहरण कर हत्या की गई होगी और शव को फेंक दिया गया। पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हालांकि यह पता नहीं चल पाया है कि इतनी छोटी से बच्ची को किसी ने क्यों मारा होगा। फिलहाल पामगढ़ पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण सेवा संघ की बैठक, सीएम साय बोले-

वैष्णव ब्राह्मण समाज का रहा है गौरवशाली इतिहास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर में आयोजित अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण सेवा संघ (चतुः संप्रदाय), मुंबई की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्रीराम के ननिहाल और माता कौशल्या की पावन भूमि छत्तीसगढ़ में वैष्णव ब्राह्मण समाज का राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित होना हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि वैष्णव ब्राह्मण समाज का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। इस समाज की विभूतियों ने छत्तीसगढ़ में दानशीलता की अद्भुत मिसालें स्थापित की हैं। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में वैष्णव ब्राह्मण समाज का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण होगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले समाज के प्रतिभावान व्यक्तियों को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वैष्णव ब्राह्मण समाज ने सनातन धर्म को सशक्त बनाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। यह समाज केवल पुरोहित कर्म से ही नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन में भी सक्रिय रहा है। दानशीलता की महान परंपरा का परिचय देते हुए इस समाज ने कभी राजपाट तक दान कर दिए। राजनांदगांव की वैष्णव ब्राह्मण रियासत इसका अनुपम उदाहरण है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डेढ़ वर्ष के भीतर हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अधिकांश गारंटियों को अमल में लाकर पूर्ण किया है। छत्तीसगढ़, प्रभु श्रीराम का ननिहाल रहा है और उन्होंने अपने वनवास का लंबा समय यहीं व्यतीत किया था। हमारी सरकार ने रामलला दर्शन योजना शुरू की है, जिसके तहत अब तक 22 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या में प्रभु श्रीरामलला के दर्शन कर चुके हैं। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना को भी पुनः प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत 60 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिक अपनी आस्था के अनुसार तीर्थ स्थलों का दर्शन कर सकेंगे। दिव्यांगजनों, विधवाओं और परित्यक्ताओं के लिए इस योजना में अधिकतम आयु सीमा नहीं रखी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प लिया गया है। उसी दिशा में हमें विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अग्रसर होना है। इस कार्य में वैष्णव ब्राह्मण समाज की सक्रिय भागीदारी अपेक्षित है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि समाज संगठित रहकर निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर होगा।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वैष्णव ब्राह्मण समाज एक दूरदर्शी और कल्पनाशील समाज है। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव से विधायक, सांसद, केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने इस समाज के ऐतिहासिक योगदान को निकटता से देखा है। उच्च शिक्षा, रेलवे, उद्योग और पेयजल व्यवस्था के विकास में राजनांदगांव के राजपरिवार ने अभूतपूर्व योगदान दिया है। महंत दिग्विजय दास जी ने महाविद्यालय के लिए अपना महल दान किया, रेलवे के लिए विशाल भूमि दी, और बीएनसी कॉटन मिल की स्थापना की, जिससे हजारों लोगों को रोजगार मिला। महंत घासीदास जी ने व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए निःशुल्क भूमि देने की घोषणा की थी।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने अपने संबोधन में कहा कि वैष्णव ब्राह्मण समाज सनातन धर्म की ध्वजवाहक है। इस राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के आयोजन से समाज और अधिक एकजुट होकर आगे बढ़ेगा। इस अवसर पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण सेवा संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पीएल बैरागी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल जेके वैष्णव, प्रदेश अध्यक्ष राकेश दास वैष्णव, श्री विजय कुमार दास, राघवेंद्र दास वैष्णव, डॉ. सौरभ निर्वाणी, अंजना देवी वैष्णव, रजनीश वैष्णव सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति विश्व पटल पर होगी स्थापितः केन्द्रीय मंत्री उईके

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली पर आधारित जनजातीय संग्रहालय का केन्द्रीय जनजातीय राज्य मंत्री दुर्गा दास उइके ने अवलोकन किया और नवा रायपुर में बनाए गए इस संग्रहालय में आदिवासी जीवन शैली के प्रस्तुतीकरण की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस संग्रहालय के जरिए छत्तीसगढ़ की सांस्कृति विरासत विश्व पटल पर स्थापित होगी। इससे जनजातीय युवाओं में अपनी संस्कृति के प्रति आत्मगौरव का भाव जगेगा। इस अवसर पर आदिम जाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग मंत्री राम विचार नेताम भी उपस्थित थे।

केन्द्रीय जनजातीय राज्यमंत्री दुर्गादास ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा जनजातीय वर्ग के हित में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से जनजातियों के सर्वांगीण विकास के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्री मोदी के 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना में यह प्रयास मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने संग्रहालय के निकट ही बनाए जा रहे शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक सह संग्रहालय के निर्माण की समीक्षा की। इस संग्रहालय के लिए केन्द्र सरकार ने 45 करोड़ रूपए की राशि मंजूर की है। इस संग्रहालय को आगामी 30 सितम्बर तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रमुख सचिव बोरा ने इस दौरान संग्रहालय में प्रयुक्त डिजीटल एवं एआई तकनीक के संबंध में जानकारी दी। बैठक में टीआरटीआई के संचालक जगदीश कुमार सोनकर सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

संग्रहालय में 14 गैलरियों में जनजातीय जीवनशैली के विभिन्न अवसरों की है झलकियां

जनजातीय संग्रहालय में जनजातीय संस्कृति, जीवनशैली और परंपरा को प्रदर्शित करने के लिए 14 गैलरियों का निर्माण किया गया है। संग्रहालय के अलग-अलग गैलरियों में जनजातीयों के परंपरागत वाद्ययंत्रों, आवास एवं घरेलू उपकरण, शिकार उपकरण, उनमें कृषि की परंपरागत तकनीकें एवं उपकरणों का जीवंत प्रदर्शन किया गया है। इसी प्रकार लौह निर्माण, रस्सी निर्माण, फसल मिंजाई, कत्था निर्माण, चिवड़ा-लाई निर्माण, मंद आसवन, अन्न कुटाई व पिसाई, तेल प्रसंस्करण हेतु उपयोग में लाने जाने वाले उपकरणों व परंपरागत तकनीकों को दर्शाया गया है। अंतर्गत अबुझमाड़िया में गोटुल, भुंजिया जनजाति में लाल बंगला, जनजातियों में परम्परागत कला कौशल जैसे बांसकला, काष्ठकला, चित्रकारी, गोदनाकला, शिल्पकला आदि प्रदर्शित किए गए हैं।

विदेश में छत्तीसगढ़ की बेटियां बढ़ाएंगी मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार राज्य के युवाओं के लिए शिक्षा, रोजगार, खेल जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विशेष अवसर उपलब्ध करा रही है। छत्तीसगढ़ की बेटियाँ आज खेल के मैदान से लेकर हर क्षेत्र में अपनी मेहनत, निष्ठा और जज्बे से नया इतिहास रच रही हैं। राज्य सरकार खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग और प्रोत्साहन देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बीजापुर जिले की धरती एक बार फिर खेल जगत में अपनी प्रतिभा का परचम लहराने जा रही है। जिले के आवापली गांव की होनहार खिलाड़ी चंद्रकला तेलम का चयन भारतीय सॉफ्टबॉल टीम में एशिया कप सॉफ्टबॉल चौंपियनशिप 2025 के लिए हुआ है। जो 14 से 20 जुलाई तक शियान, चीन में आयोजित होगी। चंद्रकला के साथ ही जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ की शालू डहरिया भी भारतीय टीम का हिस्सा होंगी, जो पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है।

खास बात यह है कि भारतीय टीम के कोच के रूप में बीजापुर जिले के श्रम निरीक्षक श्री सोपान कर्णेवार की नियुक्ति हुई है। इससे पहले भी श्री कर्णेवार के कोचिंग में जिले के अनेक खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुके हैं।

भारतीय टीम का गठन कई कठिन चयन परीक्षाओं के बाद हुआ है। चंद्रकला तेलम को अनंतपुर (आंध्र प्रदेश), नागपुर, श्रीनगर एवं इंदौर में आयोजित चयन परीक्षण और विशेष कोचिंग कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर चुना गया है। भारतीय दल को नई दिल्ली में अंतिम प्रशिक्षण के बाद 13 जुलाई को शियान, चीन के लिए रवाना किया जाएगा।

बीजापुर और जांजगीर-चांपा जिले के कलेक्टर ने भी टीम को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। गौरतलब है कि इस टूर्नामेंट की विजेता एवं उपविजेता टीम को वर्ल्ड कप सॉफ्टबॉल चौंपियनशिप में भाग लेने का अवसर मिलेगा।चंद्रकला और शालू डहरिया की यह उपलब्धि जिले की अन्य बेटियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

बैंक सखी, गांव-गांव पहुंचा रही बैंकिंग सेवायें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। योजना के अंतर्गत जशपुर जिले के दुलदुला विकासखंड के ग्राम चरईडाड़ निवासी श्रीमती जीनत परवीन, वर्ष 2019 से बैंक सखी के रूप में कार्य कर रही हैं।

जीनत परवीन बताती हैं कि योजना से जुड़ने से पहले वे एक साधारण गृहिणी थीं। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के तहत जब उन्हें बैंक सखी के रूप में कार्य करने का अवसर मिला, तो उन्होंने इसे पूरी

लगन और निष्ठा से अपनाया। आज वे छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक से जुड़ी बैंकिंग सेवाएं अपने गाँव और आसपास के ग्रामीणों तक पहुँचा रही हैं।

उन्होंने बताया कि ग्रामीणों को खाता खोलने, पैसा जमा-निकासी, आधार लिंक, सामाजिक सुरक्षा पेंशन भुगतान और अन्य बैंकिंग सेवाओं में सहायता प्रदान कर रही हैं। उनकी मासिक बैंकिंग लेनदेन की राशि 35 से 40 लाख तक पहुँचती है, जिससे उन्हें नियमित रूप से अच्छा कमीशन के रूप में अच्छी राशि प्राप्त हो जाती है। यह सेवा न केवल उनके लिए रोज़गार का साधन बनी, बल्कि आत्मनिर्भरता और सामाजिक पहचान का माध्यम भी बनी है।

जीनत परवीन बताती है कि इस आमदनी से उन्होंने अपने कई सपने पूरे किए हैं। वर्ष 2022 में उन्होंने अपने लिए एक स्कूटी भी खरीदी, जिससे अब वह आसानी से ग्रामीण क्षेत्र में सेवा प्रदान कर रही हैं। वे बताती है कि बैंक सखी बनने के बाद जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है और अब वे अपने परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी भी निभा रही हैं।

धरती आबा अभियान से आदिवासी परिवारों को मिल रही योजनाओं की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश में चलाए जा रहे धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत अनुसूचित जनजाति ग्रामों में शासन की योजनाओं का व्यापक क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस कड़ी में कोरिया जिले के सोनहत और बैकुंठपुर विकासखंड के इन गांवों में हजारों पात्र परिवारों को आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, पेंशन, श्रम कार्ड, जॉब कार्ड और बीमा योजनाओं से जोड़ा जा रहा है।

जनपद पंचायत सोनहत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि विकासखंड में 2,626 लक्षित परिवारों और 9,320 जनसंख्या के लिए शासन की महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य जरूरी योजनाओं से फायदा पहुंचाने के लिए आवेदन लिया गया है, मनरेगा जॉब कार्ड, जीवन ज्योति बीमा और सुरक्षा बीमा योजना जैसी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक पेंशन योजना के तहत 85 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 28 स्वीकृत हुए, 7 अपात्र पाए गए और शेष प्रक्रियाधीन हैं। साथ ही, 111 जाति प्रमाण पत्र और 100 निवास प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं।

इस अभियान के तहत स्वास्थ्य सेवाओं को भी ग्रामीणों तक पहुँचाया जा रहा है। टीबी एवं सिकलसेल की जांच की जा रही है और जरूरतमंदों को उपचार से जोड़ा जा रहा है साथ ही आयुष विभाग द्वारा निःशुल्क जाँच उपरांत दवाई वितरण भी किया जा रहा है। बैकुंठपुर एसडीएम से प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखंड में अब तक 23 क्षय रोग के सक्रिय मरीज चिन्हित किए गए हैं। वहीं, 391 जाति प्रमाण पत्र, 361 निवास प्रमाण पत्र और 269 राशन कार्ड बनाए गए हैं। पोषण सुरक्षा की दिशा में 2,837 पोषण वाटिकाएं भी तैयार की गई हैं।

साथ ही, मिशन इंद्रधनुष के अंतर्गत टीकाकरण कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है। अभियान की प्रगति की ऑनलाइन निगरानी के लिए धरती आबा पोर्टल बनाया गया है। अभियान का उद्देश्य दूरस्थ आदिवासी अंचलों के पात्र परिवारों को सीधे शासन की योजनाओं से जोड़ना है, ताकि वे सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें।

दिसम्बर तक सभी सड़कों को करें गड्ढामुक्त-उपमुख्यमंत्री साव

प्रस्तावित कार्यों के शीघ्र डीपीआर भेजने के दिए निर्देश, लोक निर्माण विभाग इस साल करेगा आठ हजार करोड़ रुपए से अधिक के काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने आज लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित निर्माण भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों के साथ बरसात में सड़कों और पुल-पुलियों की स्थिति तथा उनकी मरम्मत के लिए किए जा रहे कार्यों समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने परफॉर्मेंस गारंटी के तहत सड़कों की मरम्मत की भी जानकारी ली।

बैठक में वर्षा ऋतु में अतिवृष्टि से मार्गों को अवरुद्ध होने से बचाने तथा अप्रिय घटनाओं को रोकने निगरानी एवं आवश्यक उपायों की कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई। उप मुख्यमंत्री साव के साथ लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी, संयुक्त सचिव एस.एन. श्रीवास्तव और सभी मुख्य अभियंता भी निर्माण भवन से बैठक में शामिल हुए। सभी संभागों और जिलों से अधीक्षण अभियंता तथा कार्यपालन अभियंता बैठक में वर्चुअली शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने समीक्षा बैठक में सभी मैदानी अधिकारियों को शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आदेश की अवहेलना करने वालों पर कोई कोताही नहीं बरती जाएगी, नियमानुसार उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। श्री साव ने राज्य में सड़कों और पुल-पुलियों के संधारण एवं मरम्मत के कार्यों पर नाराजगी जताते हुए सभी सड़कों व पुल-पुलियों को आगामी दिसम्बर माह तक गड्ढामुक्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़कों व पुल-पुलियों की नियमित निगरानी करते हुए यथाजरूरत इनकी तत्काल मरम्मत करने को कहा। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण और टिकाऊ मरम्मत पर जोर दिया। उप मुख्यमंत्री साव ने बैठक में अधिकारियों को चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में प्रस्तावित कार्यों के शीघ्र डीपीआर भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त कार्यों को अविलंब प्रारंभ करने के निर्देश देते हुए कहा कि लोक निर्माण विभाग इस साल आठ हजार करोड़ रुपए से अधिक के काम करेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा पर किसी भी हालत में समझौता न करें। सभी काम निर्धारित मानकों के अनुरूप करना सुनिश्चित करें। निविदा की शर्तों के अनुसार ठेकेदारों से निर्धारित समय में गुणवत्तापूर्ण काम करवाएं। एक-एक कार्यों पर नजर रखें और प्रगति की नियमित समीक्षा करें। उन्होंने नई सड़कों के निर्माण के लिए भू-अर्जन के कार्यों में भी तेजी लाने को कहा।

श्री साव ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को प्रशासनिक व तकनीकी दक्षता बढ़ाने तथा कार्यों की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास और निर्माण के कार्यों के लिए राशि की कोई कमी नहीं है। आप जितना बजट मांगेंगे, शासन उतनी राशि देगी। उन्होंने एक माह के भीतर राज्य के सभी पुलों का निरीक्षण कर मरम्मत और रखरखाव के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। श्री साव ने मैदानी अधिकारियों को अपने जिला प्रशासन के सहयोग से पुलों के आसपास अवैध खनिज उत्खनन पर रोक के लिए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने बैठक में बरसात के बाद शुरू होने वाले कार्यों के लिए पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने आबंटित राशि का शत-प्रतिशत उपयोग करते हुए कहां पर किस प्रकार की मरम्मत करना है, इसे सावधानीपूर्वक तय करने को कहा। उन्होंने ज्यादा पुरानी सड़कों को रिनुअल प्लान में लेने का सुझाव दिया। डॉ. सिंह ने सड़कों के निर्माण के दौरान सड़क सुरक्षा के मानकों को भी गंभीरता से अमल में लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में सड़क सुरक्षा संबंधी कार्यों के लिए 60 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। उन्होंने इन कार्यों के लिए आगामी 15 अगस्त तक मंजूरी लेने के निर्देश दिए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950